देहरादून,पौड़ी-गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित

www.page3news.in

नगर संस्करण वर्ष 19 अंक: 165 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए

विचार-प्रवाह...
पॉजिटिविटी का संदेश

पेज थ्री

देहरादून, शुक्रवार, 4 अक्टूबर 2024

मौसम अधिकतम 31.0° न्यूनतम 21.0°

79924.77

2 एशिया में नाटो को लेकर भारत असहमत

7 तैयार है भारतीय महिला टीम

अपने गिरेबान में झांकें अमेरिका: भारत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

अमेरिकी धार्मिक स्वतंत्रता रिपोर्ट पर भारत की दो टूक, बताया पक्षपातपूर्ण

नई दिल्ली। भारत ने अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता पर अमेरिकी आयोग की हालिया रिपोर्ट को सख्त लहजे में खारिज कर दिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने स्पष्ट रूप से कहा कि यह रिपोर्ट पूरी तरह से पक्षपातपूर्ण और राजनीतिक एजेंडे से प्रेरित है। उन्होंने इस पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए आयोग को सलाह दी कि उसे अमेरिका में मानवाधिकार के मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, बजाय इसके कि वह भारत के खिलाफ गलत तथ्यों पर आधारित रिपोर्ट जारी करे।

भारत की प्रतिक्रिया में इस बात पर भी जोर दिया गया कि यूएससीआईआरएफ जैसे संगठनों को अमेरिका के भीतर मानवाधिकारों की स्थिति पर ध्यान देना चाहिए। गौरतलब है कि अमेरिका में हाल के वर्षों में नस्लीय भेदभाव, पुलिस की बर्बरता, और अन्य सामाजिक-आर्थिक असमानताओं से जुड़े मुद्दे सामने आए हैं। ऐसे में भारत ने यह संकेत दिया है कि यूएससीआईआरएफ को अपनी ऊर्जा इन घरेलू चुनौतियों को सुलझाने में लगानी चाहिए, न कि दूसरे देशों के खिलाफ पूर्वाग्रहपूर्ण रिपोर्ट तैयार करने मे।

यूएससीआईआरएफ ने अपनी रिपोर्ट में भारत पर धार्मिक स्वतंत्रता के उल्लंघन का आरोप लगाया है। यह रिपोर्ट हर साल दुनियाभर के देशों में धार्मिक स्वतंत्रता की स्थिति का आकलन करती है। यूएससीआईआरएफ ने भारत को कई बार धार्मिक स्वतंत्रता के मामलों में चिंताजनक देश बताया है। हालांकि, भारत हमेशा से इन आरोपों को खारिज करता आया है और इस रिपोर्ट को राजनीतिक एजेंडा करार देता रहा है।

भारत ने हमेशा अपनी धार्मिक विविधता और सहिष्णुता का समर्थन किया है और देश में सभी धर्मों को समान अधिकार दिए गए हैं। भारत का यह भी मानना है कि यूएससीआईआरएफ जैसे संगठन अपने एजेंडे के तहत भारत की गलत छवि पेश करने की कोशिश करते हैं। जायसवाल ने अपनी प्रतिक्रिया में साफ किया कि भारत इस तरह की दुष्प्रचारित रिपोर्टों को स्वीकार नहीं करेगा और यूएससीआईआरएफ को यह सलाह दी कि वह इन पक्षपातपूर्ण प्रयासों से दूर रहे।

भारत ने दिया करारा जवाब

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने प्रतिक्रिया जताते हुए कहा कि यूएससीआईआरएफ घटनाओं को तोड़ मरोड़ कर पेश करता है। उसे इस तरह का एजेंडा चलाने की बजाय अमेरिका के मुद्दों पर ध्यान देना चाहिए।

रिपोर्ट पर भारत की कड़ी प्रतिक्रिया

यूएससीआईआरएफ की रिपोर्ट में भारत को लेकर किए गए दावों को लेकर मीडिया द्वारा पूछे गए सवालों के जवाब में, जायसवाल ने कहा, आयोग की रिपोर्ट पर हमारी राय स्पष्ट है। यह एक पक्षपाती संगठन है, जिसका उद्देश्य भारत के खिलाफ गलत सूचनाएं फैलाना और एक प्रेरित कथा को बढ़ावा देना है। हम इस दुर्भावनापूर्ण रिपोर्ट को सिरे से खारिज करते हैं, जो यूएससीआईआरएफ की विश्वसनीयता पर ही सवाल खड़ा करती है। रणधीर जायसवाल ने आगे कहा कि यूएससीआईआरएफ द्वारा बार-बार किए गए ऐसे प्रयास केवल इस संगठन को बदनाम करने का काम करते हैं। उन्होंने आयोग से अपील की कि वह भारत के मामलों में हस्तक्षेप करने के बजाय, अपने देश के भीतर मानवाधिकार से संबंधित समस्याओं का समाधान करे।

भारत पर दबाव बनाने की रणनीति

यह रिपोर्ट विदेश मंत्री एस जयशंकर की वॉशिंगटन में अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन के बीच हुई द्विपक्षीय आधिकारिक बैठक के कुछ ही घंटे के बाद जारी की गई है। जानकार इस मध्यावधि रिपोर्ट, इसकी भाषा और समय (जब भारतीय विदेश मंत्री अमेरिका में है) को लेकर हाल के महीनों में भारत पर दबाव बनाने की रणनीति के तौर पर देख रहे हैं। वहीं भारत ने सख्ती से जबाव देते हुए कहा कि एक तरफ अमेरिका भारत के साथ रणनीतिक साझेदारी को मजबूत कर रहा है लेकिन साथ ही रूस पर तेल खरीदने, खालिस्तान समर्थक गुरपतवंत सिंह पन्नु की हत्या की कथित साजिश व धार्मिक आजादी जैसे मुद्दे पर दबाव भी बनाने की कोशिश करता रहा है।

संक्षिप्त समाचार

सद्गुरु जग्गी वासुदेव को मिली बड़ी राहत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। आध्यात्मिक गुरु सद्गुरु जग्गी वासुदेव को गुरूवार को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिली है। कोर्ट ने ईशा फाउंडेशन के खिलाफ पुलिस जांच के आदेश पर रोक लगा दी है। इस मामले की सुनवाई 18 अक्टूबर को होगी। दरअसल, एक रिटायर्ड प्रोफेसर एस कामराज ने ईशा फाउंडेशन के खिलाफ मद्रास हाईकोर्ट ने एक याचिका दायर की थी। याचिकाकर्ता ने शिकायत की थी कि आश्रम ने उनकी दो बेटियों बेटियों गीता (42) और लता (39) को ब्रेनवॉश कर रखा गया है।

कर्नाटक के मंत्री के बयान पर बीजेपी भड़की

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कर्नाटक। कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने सावरकर पर बयान देकर विवाद खड़ा कर दिया है। वहीं बीजेपी सांसद अनुराग ठाकुर ने कांग्रेस को झूठ की फैक्ट्री बताया और चेतावनी दी है कि देश सावरकर के प्रति किसी भी तरह का अनादर बर्दाश्त नहीं करेगा।

उत्तराखंड को पहली नवरात्रि पर ही मिली बड़ी सौगात

केंद्रीय पूल से मिलेगी 480 मेगावाट अतिरिक्त बिजली

संवाददाता

देहरादून। प्रदेशवासियों को अब शीतकाल में भी निर्बाध बिजली मिलेगी। केंद्र सरकार ने उत्तराखंड को आवंटित अतिरिक्त बिजली कोटे में 180 मेगावाट की वृद्धि कर इसकी समयावधि को भी 30 जून 2025 तक के लिए बढ़ा दिया है। विगत 26 सितंबर को केंद्र की ओर से 300 मेगावाट अतिरिक्त बिजली 31 मार्च 2025 तक के लिए उत्तराखंड को आवंटित की गई थी। इस प्रकार अब कुल 480 मेगावाट अतिरिक्त बिजली केंद्रीय पूल से उत्तराखंड को मिलेगी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर का आभार प्रकट किया है।

उत्तराखंड को केंद्रीय पूल से 480 मेगावाट अतिरिक्त बिजली स्वीकृत करने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी एवं केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर जी का आभार। केंद्रीय पूल से 480 मेगावाट बिजली मिलने से अब प्रदेशवासियों को शीतकाल में भी बिजली निर्बाध मिलती रहेगी।

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखंड

मुख्यमंत्री धामी ने प्रदेश को बिजली संकट से निजात दिलाने के लिए केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर से मुलाकात कर केंद्रीय पूल से उत्तराखंड को अतिरिक्त बिजली आवंटित करने का अनुरोध किया था।

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री को बताया कि राज्य में बिजली की मांग और उपलब्धता के बीच का अंतर लगातार बढ़ता जा रहा है। बिजली उत्पादन बढ़ाने को राज्य सरकार सौर ऊर्जा, हाइड्रो पावर और कोयले से बिजली उत्पादन के लिए दीर्घकालिक योजना पर काम कर रही है।

मुख्यमंत्री धामी की प्रभावी पैरवी पर केंद्र ने उत्तराखंड के लिए अतिरिक्त बिजली का कोटा बढ़ा दिया है। शीतकाल में बर्फबारी और अन्य कारणों से जल विद्युत परियोजनाओं के उत्पादन में गिरावट आने से राज्य में कई बार बिजली सप्लाई पर असर पड़ता है। अब केंद्रीय पूल से मिलने वाले अतिरिक्त कोटे में वृद्धि से उपभोक्ताओं को शीतकाल में भी निर्बाध बिजली मिलेगी।

56 साल बाद पहुंचा लापता सैनिक का पार्थिव शरीर

संवाददाता

चमोली। उत्तराखंड चमोली जिले के थराली तहसील के गांव कोलपुड़ी के लापता सैनिक नारायण सिंह का पार्थिव शरीर 56 साल बाद अपने घर पहुंचा। इस दौरान लोगों ने नारायण सिंह अमर रहे के नारे लगाए। छह गनेडियर रुद्रप्रयाग की बटालियन ने पार्थिव शरीर को गौचक हेलीपैड पर सलामी दी। गौचर से पार्थिव शरीर को रुद्रप्रयाग ले जाया गया। जहां गुरुवार को पार्थिव शरीर की थराली कोलपुड़ी अंत्येष्टि की गई।

बता दें कि नारायण सिंह वर्ष 1968 में हिमाचल प्रदेश के रोहतांग दर्रे में वायुसेना के एएन-12 विमान दुर्घटनाग्रस्त होने पर लापता हो गए थे। 56 साल बाद जिन चार सैनिकों के अवशेष मिले हैं उनमें एक कोलपुड़ी गांव के नारायण सिंह का शव भी शामिल है।

कोलपुड़ी गांव के प्रधान और नारायण सिंह के भतीजे जयवीर सिंह ने बताया कि बीते सोमवार को सेना के अधिकारियों ने उनकी पहचान होने की सूचना दी थी। उन्होंने बताया कि जेब में मिले पर्स में एक कागज में नारायण सिंह ग्राम कोलपुड़ी और बसंती देवी नाम दर्ज था। साथ ही उनकी वर्दी के नेम प्लेट पर भी उनका नाम लिखा था। 1965 के भारत-पाक युद्ध में भी उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

सलामी

■छह गनेडियर रुद्रप्रयाग की बटालियन ने दी सलामी

बर्फ में सुरक्षित था शव

सेना के अधिकारियों ने जयवीर सिंह को बताया कि बर्फ में शव सुरक्षित था। डीएनए सैंपल लिया गया। बताया कि रिकॉर्ड के अनुसार नारायण सिंह सेना के मेडिकल कोर में तैनात थे। नारायण सिंह के साथी रहे कोलपुड़ी के सूबेदार गोविंद सिंह, सूबेदार हीरा सिंह बिष्ट और भवान सिंह नेगी ने बताया कि वह बहुत सौम्य स्वभाव के थे।

Are you Planning to make a Website or already have ?
If yes, then we are here to serve you
What we do
Website Development
All type of Websites E-Commerce, Hotel Booking, Travel, Bus Ticket Booking, News Portal, Blogs, or as per client requirement.
Promotion & Branding
1. Website Promotion & Branding in any country (200+ Countries)
2. Social Media
3. Bulk SMS
Search Engine Optimisation
A-2-Z Work to make a Website Search Engine Friendly.
You tell us, we do it.
Contact:
Gadoli Media Ventures
Shivam Market, 2nd Floor, Darshan Lal Chowk, Dehra Dun. | Mob: 9319700701, 7579011930
E-Mail: contact@gadoli.in

भारत की भूमि से शुरू हुए कैलाश पर्वत के पवित्र दर्शन

संवाददाता

देहरादून। भारत की भूमि से ही पवित्र कैलाश पर्वत के दर्शन करने का शिव भक्तों का सपना आज पूरा हो गया है। नवरात्रि के पहले दिन यात्रियों के पांच सदस्यीय दल ने पिथौरागढ़ जिले में स्थित ओल्ड लिपुलेख से माउण्ट कैलाश के दर्शन किए।

कैलाश पर्वत के दिव्य दर्शन से श्रद्धालु भाव विभोर हो उठे।

■यात्रियों के 5 सदस्यीय दल ने पिथौरागढ़ की 18 हजार फीट ऊंची लिपुलेख पहाड़ियों से किए दर्शन

केंद्र सरकार से हरी झंडी मिलने के बाद पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व वाली उत्तराखण्ड सरकार ने यात्रा के सफल संचालन के लिए कमर कस ली थी। कुमाऊं मण्डल विकास निगम ने इसके लिए बाकायदा एक टूर पैकेज घोषित किया है।

उत्तराखण्ड विकास परिषद की पहल पर कुमाऊं मण्डल विकास निगम ने माउंट कैलाश के दर्शन के लिए 5 दिवसीय टूर पैकेज बनाया है। इस पैकेज में भगवान शिव के दो अन्य धाम आदि कैलाश एवं ऊँ पर्वत के दर्शन भी सम्मिलित हैं। पैकेज के तहत यात्रियों के पहले 5 सदस्यीय ग्रुप ने गुरुवार को माउंट कैलाश के दर्शन किए।

ईरानी हमले से पहले ही इजरायल ने बना लिया था प्लान

रिपोर्ट

ईरान ने दागीं 181 बैलिस्टिक मिसाइलें, घायल हुए सिर्फ दो लोग

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। ईरान ने इजरायल पर एक साथ 181 बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया। मगर ईरान का यह हमला विफल हो गया। इसकी वजह है कि इतने बड़े हमले में इजरायल को खास नुकसान नहीं पहुंचा। राजधानी तेल अवीव में सिर्फ दो लोग घायल हुए हैं। वहीं इजरायली कब्जे वाले वेस्ट बैंक में एक फिलिस्तीनी नागरिक की जान गई। कुछ इमारतों को नुकसान पहुंचा है। मगर व्यापक नुकसान की कोई खबर नहीं है। इजरायल ने ईरान के हमले से पहले ही खास प्लान तैयार कर लिया था। इसी प्लान के सहारे उसने अपने देश में भारी तबाही होने से बचाई है।

ईरानी हमले से पहले ही अमेरिका ने इजरायल को अलर्ट कर दिया था। अमेरिका ने इजरायल को सूचना दी कि ईरान बड़ा हमला कर सकता है। यह हमला अप्रैल हुए हमले से भी घातक होगा। अमेरिका से यह इनपुट

मिलने के बाद इजरायल ने तबाही से बचने का प्लान बनाना शुरू किया। अमेरिका से अलर्ट मिलने के बाद इजरायल ने अपने नागरिकों को सतर्क किया। उन्हें बंकरों के आस-पास रहने का निर्देश दिया, ताकि हमले की स्थिति में तुरंत बंकरों में शरण ली जा सके।

आईडीएफ के होम फ्रंट कमांड ने उन स्कूलों और ऑफिसों को बंद कर दिया, जहां बंकरों की व्यवस्था नहीं थी। इसके अलावा समुद्र तटों को भी बंद करने का आदेश दिया गया था। खुले स्थान पर किसी भी सभा में 30 से अधिक और इमारत के अंदर 300 से ज्यादा लोगों के जुटने पर रोक लगा दी गई थी। इजरायल के होम फ्रंट कमांड ने सेंट्रल इजरायल के गुश डैन में लोगों को तुरंत बंकरों में जाने की चेतावनी दी। लोगों से अगली सूचना तक बाहर नहीं आने को कहा गया। ईरानी हमला थमने के बाद होम फ्रंट ने सभी नागरिकों को बंकरों से बाहर निकलने का संदेश उनके मोबाइल फोन पर भेजा। अमेरिका ने पहले ही बता दिया था कि ईरान तीन सैन्य हवाई ठिकानों और तेल अवीव में स्थित एक खुफिया मुख्यालय को निशाना बनाकर हमला करेगा। हमले से पहले ही इजरायल ने खुफिया मुख्यालय को खाली करा लिया था। इससे बड़ी तबाही मचने से इजरायल ने बचा लिया।

अमेरिकी रक्षा विभाग के मुताबिक हमले से पहले ईरान ने भी कई देशों को अपने हमले का टाइम और यह कितना भयानक होगा.. इसकी सूचना दे दी थी। इससे पहले अप्रैल में भी ईरान ने इजरायल पर 300 मिसाइल और ड्रोन से हमला किया था। उस वक्त भी ईरान ने अपने हमले की सूचना कई देशों को दी थी। इजरायल ने ईरानी मिसाइलों को अपने एयर डिफेंस सिस्टम से भी रोका। कई मिसाइलों को मार गिराने में अमेरिका ने भी मदद की। इजरायली प्रधानमंत्री ने खुद कहा कि एयर डिफेंस सिस्टम ने देश को बड़ी तबाही से बचाया है।

न्यूज डायरी

अमेरिकी चुनाव से पहले पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर लगे बड़े आरोप

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 2020 का चुनाव हारने से पहले ही नतीजे पलटने की कोशिश करने के लिए आधार तैयार कर लिया था तथा जानबूझकर मतदाता धोखाधड़ी के झूठे दावे किए और सत्ता पर काबिज रहने की अपनी असफल कोशिश के तहत अपराध का सहारा लिया। यह जानकारी अदालत में दायर अभियोजक के दस्तावेज से मिली है। इस दस्तावेज में पूर्व राष्ट्रपति के खिलाफ ऐतिहासिक आपराधिक मामले से जुड़ी नई जानकारियां सामने आई हैं। विशेष वकील जैक स्मिथ की टीम की ओर से दायर किए गए दस्तावेज में अब तक का सबसे व्यापक दृष्टिकोण प्रस्तुत किया गया है जिससे पता चलता है कि अगर ट्रंप पर चुनाव के नतीजे को पलटने की साजिश रचने का आरोप लगाने वाला मामला सुनवाई तक पहुंचता है तो अभियोजक क्या साबित करना चाहता है। हालांकि महीनों तक चली कांग्रेस (संसद) की जांच और अभियोग में चुनाव परिणाम को पलटने के ट्रंप के प्रयासों का स्पष्ट विवरण दिया गया है। मगर नए दस्तावेज में ट्रंप के निकटतम सहयोगियों की ओर से दिए गए अज्ञात विवरणों का हवाला दिया गया है और इसमें एक श्शताशश राष्ट्रपति की तस्वीर पेश की गई है, जो व्हाइट हाउस पर अपनी पकड़ खोते हुए देख श्चुनावी प्रक्रिया के हर चरण को निशाना बनाने के लिए छल का इस्तेमाल करता है।

एशिया में नाटो बनाने को लेकर भारत नहीं है सहमत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) टोक्यो। जापान के नए प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा ने एशिया में नाटो जैसा एक सैन्य गुट बनाने की मांग की थी। इस गुट की चर्चा को बाद माना जा रहा था कि चीन को घेरने की शुरुआत होगी। लेकिन अब इसे लेकर भारत ने अपना रुख साफ कर दिया है। भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा कि जापानी पीएम की ओर से एशियाई नाटो के दृष्टिकोण से भारत सहमत नहीं है। कार्नेगी एंडोमेंट फॉर इंटरनेशनल पीस में एक कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने कहा कि जापान के विपरीत भारत कभी भी किसी अन्य देश का संधि सहयोगी नहीं रहा है। जापानी पीएम के बयान के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, श्हमारे दिमाग में उस तरह की रणनीतिक योजना नहीं है।श डॉ. जयशंकर का यह बयान तब और भी महत्वपूर्ण हो जाता है जब जापान और भारत क्वाड का हिस्सा हैं। उन्होंने आगे कहा, हमारा एक अलग इतिहास और चीजों को देखने का एक अलग नजरिया है। डॉ. जयशंकर ने पिछले सप्ताह न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा में भाषण दिया था। इशिबा ने कहा कि उनका देश दूसरे विश्वयुद्ध के बाद सबसे गंभीर सुरक्षा खतरों का सामना कर रहा है। इससे निपटने के लिए वह मित्र देशों के साथ गहरे संबंधों की तलाश करेंगे। उन्होंने एशियाई नाटो को बनाने से लेकर, जापानी सैनिकों की अमेरिका में तैनाती और चीन, रूस और उत्तर कोरिया से बचने के लिए अमेरिका के परमाणु हथियारों पर साझा नियंत्रण का आह्वान किया।

नासा ने वॉयजर-2 अंतरिक्ष यान का एक हिस्साबंद किया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। नासा के वॉयजर 2 अंतरिक्ष यान को लेकर बड़ी खबर आई है। नासा टीम के मुताबिक इसकी ऊर्जा लगातार कम होती जा रही है। इस प्रयास में इसके एक विज्ञान उपकरण को बंद करने का फैसला लिया गया है। वर्तमान में यह अंतरिक्ष यान पृथ्वी से 20.9 अरब किलोमीटर की दूरी पर अंतरिक्ष में आगे बढ़ता जा रहा है। मिशन इंजीनियरों ने वॉयजर 2 के प्लाज्मा साइंस, या श्पे एक्सपेरिमेंट बंद करने के लिए एक कमांड भेजा। इसका इस्तेमाल सौर हवाओं का निरीक्षण करने के लिए किया जाता था। 26 सितंबर को डीप स्पेस नेटवर्क का इस्तेमाल करके इसे बंद करने का सिग्नल भेजा गया। डीएसएन विशाल रेडियो एंटीना की एक सीरीज है जो अंतरिक्ष के माध्यम से अरबों किलोमीटर तक जानकारी भेज सकता है। नासा ने कहा कि वॉयजर 2 तक संदेश पहुंचने में 19 घंटे लगे और वापसी का संकेत 19 घंटे बाद मिला। यह अंतरिक्ष यान बेहद पुराना है और इसका ऊर्जा भंडार लगातार कम हो रहा है। नासा को उम्मीद है कि वॉयजर 2 एक विज्ञान उपकरण के साथ 2030 के दशक तक काम करता रहेगा। नासा को पिछले कुछ वर्षों में इसके विभिन्न विज्ञान उपकरणों को बंद करना पड़ा है।

बांग्लादेश ने भारत समेत 5 देशों से अपने राजदूतों को वापस बुलाया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज ढाका। शेख हसीना के पद से हटने और देश छोड़ने के बाद बांग्लादेश की मोहम्मद यूनुस सरकार ने गुरुवार को बड़ा फैसला लिया है। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने अपने पांच राजदूतों को वापस ढाका बुला लिया है। यह राजदूत भारत, ऑस्ट्रेलिया, बेल्जियम, पुर्तगाल और संयुक्त राष्ट्र में तैनात थे।

एक अधिकारी ने बताया कि इन सभी राजदूतों को तुरंत अपनी जिम्मेदारियां सौंपकर वापस लौटने को कहा गया है। बांग्लादेश ने यह कदम ब्रिटेन में उच्चायुक्त सईदा मुना तस्नीम को वापस बुलाने के बाद उठाया है।

बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय के एक अधिकारी ने गुरुवार को जानकारी दी कि अंतरिम सरकार ने एक बड़े राजनयिक फेरबदल में भारत में अपने राजदूत समेत पांच देशों से दूतों को वापस बुला लिया है। नाम न छापने की शर्त पर अधिकारी ने बताया कि विदेश मंत्रालय ने ब्रुसेल्स, कैनबरा, लिस्बन, नई दिल्ली और न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र के स्थायी मिशन में तैनात राजदूतों को तुरंत ढाका लौटने का आदेश दिया है।

इसी साल जुलाई महीने में बांग्लादेश में आरक्षण के खिलाफ छात्र आंदोलन उग्र हो गया था। इसमें 700 से अधिक लोगों की जान गई थी। इसके बाद छात्रों की उग्र भीड़ ने राजधानी ढाका में स्थित प्रधानमंत्री आवास की तरफ कूच करना शुरू कर दिया था।

शहबाज सरकार की चापलूसी, मौलवियों-नेताओं का तांता

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। विवादित इस्लामी उपदेशक जाकिर नाइक इस समय पाकिस्तान में है। पाक सरकार के न्योते पर जाकिर बीते हफ्ते इस्लामाबाद पहुंचा है। जाकिर के स्वागत में पाकिस्तान की सरकार बिछी हुई नजर आ रही है। पाकिस्तान सरकार के मंत्री जाकिर को लेने एयरपोर्ट पर पहुंचे और गर्मजोशी के साथ उसका स्वागत किया गया। आठ साल पहले भारत से भागकर मलेशिया में शरण लेने वाले जाकिर को निश्चित ही पाकिस्तान में जो माहौल मिला है, उससे निश्चित ही उसे घर जैसा महसूस हो रहा होगा। रिपोर्ट के अनुसार, जाकिर नाइक को पाकिस्तान सरकार के निमंत्रण ने उसके कट्टरपंथियों के साथ संबंध को उजागर किया है। जाकिर नाइक ने पाकिस्तान की अपनी यात्रा इस्लामाबाद से शुरू की है।

लेबनान में डटे भारतीय शांति सैनिकों की यूएन चीफ ने की तारीफ

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

संयुक्त राष्ट्र की सेना के हिस्से के तौर पर तैनात हैं भारतीय

बेरूत। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने लेबनान में शांति स्थापना अभियान में सेना भेजने वाले भारत और दूसरे देशों की सराहना की है। उन्होंने बुधवार को कहा कि लेबनान में संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बल के शांति सैनिक अपनी जगह पर बने हुए हैं। इजरायल ने इन्हें कहीं और ट्रांसफर करने की मांग की है लेकिन संयुक्त राष्ट्र का ध्वज वहां लहरा रहा है। यूएन चीफ ने पश्चिम एशिया की स्थिति पर सुरक्षा परिषद की आपातकालीन बैठक में यह बात कही।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने कहा कि मैं संयुक्त राष्ट्र शांति सेना (यूएनआईएफआईएल) के मिलिट्री और सिविलियन मेंबर्स तथा सैन्य योगदान देने वाले देशों के प्रति अपनी गहरी कृतज्ञता दोहराता हूं। करीब 900 भारतीय सैनिक यूएनआईएफआईएल के साथ हैं, जो इजरायल और लेबनान को अलग करने वाली श्ब्लू लाइनश पर तैनात है। वे लेबनान में घुस आई इजरायली सेना और लेबनानी आतंकी ग्रुप हिजबुल्लाह के बीच, तैनात हैं।

गुटेरेस के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा है कि जमीन पर मौजूद यूएनआईएफआईएल अधिकारियों ने बताया कि गोलीबारी जारी है और पहले से ज्यादा हो रही है। इस सबके बीच वे अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए साथ अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं। दुजारिक ने बताया कि इजरायली सेना ने यूएनआईएफआईएल को ब्लू लाइन के पास कई जगहों से हटने के लिए कहा था लेकिन ऑपरेशनल और राजनीतिक नजरिए से इसे नहीं माना गया। उन्होंने कहा, हम वहीं जमे रहेंगे और अपने रुख और शांति सैनिकों की सुरक्षा का हर घंटे के आधार पर आकलन करेंगे।

इजरायल ने इस हफ्ते दक्षिणी लेबनान पर जमीनी हमला शुरू किया है। इजरायल ने लेबनान में अपने आठ सैनिकों की मौत की भी पुष्टि की। लेबनानी अधिकारियों का कहना है कि बेरूत पर बुधवार रात को हुए भारी इजरायली हवाई हमलों में कम से कम छह लोग मारे गए।

इजरायल ने हमला किया तो करारा जवाब मिलेगा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) तेहरान। इजरायल और ईरान के बीच तनाव बेहद चरम पर है। किसी ने भी एक कदम बढ़ाया तो युद्ध होना तय है। इजरायल पर ईरान ने 181 बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया था। अब इजरायल ने भी सबक सिखाने की बात कही है। ईरानी राष्ट्रपति ने कहा कि ईरान युद्ध नहीं चाहता है। अगर इजरायल ने ईरान पर जवाबी हमला किया तो हम भी पलटवार करेंगे। ईरानी राष्ट्रपति ने कहा कि अगर इजरायल अपने अपराधों को नहीं रोकता है तो उसे कठोर प्रतिक्रिया का सामना करना पड़ेगा। ईरान के राष्ट्रपति पेजेशकियन अपनी दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर कतर पहुंचे हैं। यहां उन्होंने कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी से मुलाकात की। उनकी इस यात्रा का उद्देश्य कतर और ईरान के मध्य सहयोग को बढ़ाना है। ईरानी राष्ट्रपति पेजेशकियन गुरुवार को आयोजित होने वाले एशिया सहयोग वार्ता शिखर सम्मेलन में भी भाग लेंगे।

पॉजिटिविटी का संदेश

विदेश मंत्री जयशंकर के बयान के कुछ घंटों के भीतर ही ब्रिक्स देशों की छै। बैठक के लिए रूस गए राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल ने अपने चीनी समकक्ष वांग यी से मुलाकात की। यी विदेश मंत्री भी हैं।

अनुज श्रीवास्तव।।

विदेश मंत्री एस जयशंकर का यह कहना कि चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा पर सैनिकों की वापसी से जुड़ी समस्याएं 75 प्रतिशत तक सुलझ गई हैं, कई लिहाज से अहम हैं। इसकी टाइमिंग तो खास है ही, आगे–पीछे और समानांतर चल रहे प्रयासों की रोशनी में इस बयान को दोनों देशों के रिश्तों में सुधार की बढ़ी हुई दोतरफा इच्छा का संकेत माना जा रहा है।

भारत और चीन के बीच गलवान घाटी में हुई हिंसक झड़प के बाद के चार वर्षों में दोनों पक्षों के बीच बातचीत के दर्जनों दौर हो चुके हैं। लेकिन यह पहला मौका है जब विदेश मंत्री ने इसमें हुई प्रगति को इस तरह मात्रात्मक अंदाज में व्यक्त किया। इससे पॉजिटिविटी का जो संदेश निकला है, वह इस मायने में भी अहम है कि इससे साथ–साथ चल रहे अन्य प्रयासों की भावना भी रेखांकित होती है।

विदेश मंत्री जयशंकर के बयान के कुछ घंटों के भीतर ही ब्रिक्स देशों की छै। बैठक के लिए रूस गए राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल ने अपने चीनी समकक्ष वांग यी से मुलाकात की। यी विदेश मंत्री भी हैं। एक अन्य महत्वपूर्ण घटनाक्रम में नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने अपने चीनी समकक्ष के साथ दोनों देशों के बीच सीधी उड़ानों की जल्द पुनर्बहाली से जुड़े पहलुओं पर बातचीत की। ये सारे प्रयास इस लिहाज से भी महत्वपूर्ण हैं कि अगले महीने ब्रिक्स देशों की शिखर बैठक के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग की मुलाकात होने वाली है।

इन बातों का यह मतलब नहीं है कि दोनों देशों के बीच सीमा विवाद की उलझी हुई गुत्थी आसान हो गई है। दोनों के स्टैंड में किसी बदलाव का कोई संकेत अभी तक नहीं है। चीन की तरफ से सीमा विवाद को दरकिनार करते हुए संबंध सुधारने के आग्रह पर भारत का रुख आज भी यही है कि सीमा पर सामान्य स्थिति बहाल हुए बगैर यह संभव नहीं। भारत यह बताने में भी संकोच नहीं कर रहा कि चार साल पहले स-|ब पर चीन द्वारा की गई कार्रवाई दोनों पक्षों के बीच उस समय तक बनी तमाम सहमतियों का उल्लंघन थी और आज तक यह भी पूरी तरह साफ नहीं हुआ है कि आखिर चीन ने ऐसा क्यों किया।

सामान्य रिश्तों के लिए सीमा पर सामान्य स्थिति बहाल होने के साथ ही एक–दूसरे पर भरोसा होना भी जरूरी है। उसके लिए दोनों पक्षों के व्यवहार में पारदर्शिता होनी चाहिए। कुल मिलाकर, रिश्तों की बेहतरी के लिए अभी बहुत कुछ करने की जरूरत है, लेकिन दोनों पक्ष अगर इसकी इच्छा जता रहे हैं तो यह भी अच्छी बात है। जहां चाह होती है, वहां राह निकलना बहुत मुश्किल नहीं होता।

सनातन धर्म

अशोक वोहरा। कुंभ मेला कहानी होने के साथ साथ धर्म से जोड़ने वाली, धार्मिक कहानी भी है। हिन्दू सनातन धर्म में, कुंभ मेले का बहुत महत्व है, जिसके लिए लाखों श्रद्धालु, भारत के चुनिंदा पवित्र स्थानों में जाकर, नदी में स्नान करते हैं, जिनमें से एक जगह प्रयागराज भी है। प्रयागराज में इस वर्ष भव्य मेले का आयोजन होने वाला था, जिसके लिए, भक्तों का ताँता लगा हुआ था और उन्हीं भक्तों के बीच, एक विदेशी महिला भी थी, जो कि केवल घूमने के उद्देश्य से, कुंभ मेला में सम्मिलित हुई थी, लेकिन उसे क्या पता कि, इस कुंभ मेले से उसका जीवन बदल जाएगा। महिला का नाम डायना था। वह विदेशी संस्कृति में पली बढ़ीं और वही उसने शादी करके, अपना परिवार बसाया और अब जब, बच्चे बड़े हो गए तब वह, देश विदेश अकेले ही यात्राएं करने लगी।

...शेष कल

संपादकीय

प्रशासन पर सवाल

सहस्रताल हादसे की जांच में हिमालय व्यू ट्रेकिंग एजेंसी का नाम सामने आया और पाया गया कि उसने आवश्यक मानदंडों का पालन नहीं किया। यहां तक कि करीब 17 हजार फीट की ऊंचाई क्रॉस करने वाले इस अभियान के गाइड के पास जरूरी सुरक्षा उपकरणों की व्यवस्था तक नहीं थी। सवाल है कि ऐसी जांचों में स्थानीय प्रशासन पर उंगलियां क्यों नहीं उठनी चाहिए? खासकर ऊपरी हिमालय में मौसम संबंधी सूचनाओं और 'ये करें–ये न करें' जैसी हिदायतों का बड़ा महत्व है। लेकिन, ट्रेकिंग एजेंसियों और एजेंटों को ऐसे महामंत्रों से कोई लेना–देना नहीं होता। पहाड़ों में साहसिक पर्यटन के प्रति बढ़ते रुझान को लेकर सरकार को फिक्रमंद होना होगा ताकि सुरक्षा के साथ राजस्व और स्थानीय लोगों की आय में वृद्धि का तानाबाना बुना जा सके। वरना तो लेने के देने पड़ रहे हैं। एक–एक रेस्क्यू ऑपरेशन में सरकार को 8 से लेकर 10 करोड़ तक का खर्च उठाना पड़ता है। 'एसओपी' न होने के कारण लापरवाह ट्रेकिंग एजेंसियों और एजेंटों का बाल भी बांका नहीं होता।

उत्तराखंड में 100 से अधिक ट्रेक हैं। राज्य सरकार ने ट्रेकिंग रूटों पर सुविधाओं के विकास को प्राथमिकताओं में जरूर रखा है, लेकिन ट्रेकर्स और ट्रेकिंग एजेंसियों के लिए सख्त कायदे-कानून बनाने में नाकाम रही है।

हादसे दर हादसे

व्योमेश चन्द्र जुगरान।।

पहाड़ों में अगस्त और सितंबर ट्रेकिंग के लिए सबसे लुभावने महीने हैं, क्योंकि बर्फ पिघली होती है और मौसम बेहतर। लेकिन, क्या यह सब पहले जितना ही सहज रह गया है? जलवायु और मौसम संबंधी बदलावों ने उच्च हिमालय में पैदल यात्राओं को कहीं अधिक जोखिम भरा बना दिया है। जोखिम तब और बढ़ जाता है, जब ट्रेक पर जाने वाले ग्रुप ट्रेकिंग एजेंसियों के लुभावने विज्ञापनों और इंटरनेट के सूचना संसार के भरोसे प्लानिंग करते हैं। उनके पिट्ठुओं में यात्रा का हर जरूरी सामान तो भरा होता है, लेकिन जोखिमों के प्रति तैयारी अधिकतर आधी–अधूरी रहती है। यही कारण है कि कोई हादसा होने पर सरकारी विभाग सारा दोष ट्रेकर्स और उन्हें भेजने वाली कंपनियों पर थोप देना चाहते हैं। लेकिन, सवाल यह भी है कि पहाड़ों में साहसिक यात्राओं के लिए तयशुदा मानकों वाली सुरक्षा प्रणाली (एसओपी) लागू करने में सरकार फिसड्डी क्यों है?

आज से कुछ साल पहले इन साहसिक यात्राओं को स्थ्थानीयता का कवच हासिल रहता था। निकटतम गांवों से अनुभवी गाइड और पोर्टर की सेवाएं, सटीक भौगोलिक और मौसमी जानकारियां, संकट के समय बचाव की

तजुर्बेकारी और पारंपरिक ज्ञान की 'गठरी' बड़े काम की हुआ करती थी। नेहरू पर्वतारोहण संस्थ्थान के पूर्व प्रिंसिपल और जाने–माने पर्वतारोही कर्नल अजय कोठियाल बताते हैं कि 2013 की आपदा से तबाह केदारनाथ धाम का पुनर्निर्माण तभी हो सका, जब स्थानीय चौमासी गांव के छह लोगों ने एक वैकल्पिक रास्ता बताया। स्थानीय लोगों के अनुभव और जानकारियां किसी महामंत्र से कम नहीं होतीं।

उत्तराखंड के विभिन्न ट्रेकिंग रूटों पर पिछले 6 साल में पांच दर्जन से अधिक ट्रेकर्स अपनी जान गंवा चुके हैं। इसी 29 मई को उत्तरकाशी से सहस्रताल की ट्रेकिंग पर निकले नौ लोग घने कोहरे और बर्फबारी के कारण रास्ता भटक कर मौत के शिकार हो गए। मई 2022 में रुद्रप्रयाग जिले के मदमहेश्वर–पांडवसेरा ट्रेक पर फंसे सात ट्रेकर्स को भारी मशक्कत के बाद बचाया जा सका। 2022 में ही 4 अक्टूबर को द्रौपदी का डांडा–2 के अभियान पर निकले नेहरू पर्वतारोहण संस्थ्थान, उत्तरकाशी के 29 प्रशिक्षु मौत के मुंह में समा गए। जानकार लोग आज भी इन मौतों को एवलॉन्च से कहीं अधिक मानवीय भूल का नतीजा मानते हैं।

उत्तराखंड में 100 से अधिक ट्रेक हैं। राज्य सरकार ने ट्रेकिंग रूटों पर सुविधाओं के विकास को प्राथमिकताओं में जरूर रखा है, लेकिन ट्रेकर्स और ट्रेकिंग एजेंसियों के लिए सख्त कायदे–कानून बनाने में नाकाम रही है। 2022 से ही शोर है कि उत्तराखंड सरकार ट्रेकिंग के लिए एसओपी बनाने जा रही है, जिसके तहत ट्रेकिंग दलों को सैटेलाइट फोन और प्रशिक्षित गाइड ले जाना अनिवार्य होगा। साथ ही, उन्हें अपना सारा ब्योरा रेकॉर्ड कराना होगा। लेकिन, हो यह रहा है कि देश के छोटे–बड़े शहरों में दफ्तर खोलकर बैठीं कंपनियां इंटरनेट के जरिये हर तरह के ट्रेकिंग टूर आयोजित कर रही हैं। सरकार और प्रशासन को इन कंपनियों के बारे में हादसे के बाद पता चलता है।

अष्टयोग-5068

		4	3			1
2	34	7	30		28	
		1	6		5	4
3	31		32	6	33	
	5	3			2	7
5	28		33	7	38	
1		2		5		6

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 5067 का हल

3	1	4	6	2	5	7
5	32	7	32	1	30	3
1	6	5	4	3	7	2
2	35	3	35	7	32	6
7	5	6	3	4	2	1
6	34	1	34	5	28	4
4	3	2	7	6	1	5

Jagrutidaur.com, Bangalore

अपना ब्लॉग

मंडेला का झूठ

मोहन। साल 1952 की बात है। जोहानिसबर्ग में भेदभाव वाले कानूनों को रद्द करने की मांग को लेकर अफ्रीकी राष्ट्रीय कांग्रेस की बैठक हुई। इसमें 29 फरवरी तक मांगें नहीं मानी जाने पर हड़ताल करने का निर्णय करते हुए एक पत्र तैयार किया गया। पत्र सरकार को सौंपा जाना था, जिसमें अफ्रीकी राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष डॉ. जेम्स मोरोको के हस्ताक्षर की जरूरत थी। वह जोहानिसबर्ग से 120 मील दूर रहते थे। नेल्सन मंडेला के पास ड्राइविंग लाइसेंस था, इसलिए हस्ताक्षर कराने की जिम्मेदारी उन्हें सौंपी गई। रास्ते में उन्हें दो जगहों पर घृणा और अपमान का सामना करना पड़ा। किसी तरह वहां से निकले तो पेट्रोल खत्म हो गया। पैदल चले तो एक फार्म हाउस आया। वहां की मालकिन से पेट्रोल मांगा, उसने मना कर दिया और नफरत भरी नजरों से देखते हुए दरवाजा बंद कर लिया। दो मील चलने के बाद दूसरा फार्म हाउस आया। इस बार अंग्रेजी में झूठ बोले, 'मैं ड्राइवर हूं। लंबा वक्त गुजर गया, पर नेल्सन मंडेला को यह बात सताती रही कि वह झूठ नहीं बोलते तब भी उन्हें पेट्रोल मिल जाता। उस महिला में उन्हें घृणा नहीं, प्रेम नजर आया था। नेल्सन का जीवन प्रेम और घृणा से भरा रहा, लेकिन उन्होंने प्रेम का रास्ता चुना।

डेस्टिनेशन उत्तराखंड

सामाजिक सुधारों में अग्रणी राज्य

> प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में उत्तराखंड विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। मैं पूरी लगन से काम कर रहा हूं, ताकि आने वाले वर्षों में भी प्रगति और समृद्धि की यह धारा अविरल रूप से बहती रहे और हम सुशासन के मार्ग पर निरंतर चलते रहें।
>
> **-पुष्कर सिंह धामी,** मुख्यमंत्री

तारीखों में यूसीसी की यात्रा

घोषणा: 12 फरवरी, 2022
5 सदस्यीय पैनल का गठन: 27 मई, 2022
2 उप समितियां: 22 अगस्त, 2022
ड्राफ्ट प्रस्तुत: 2 फरवरी, 2024
कैबिनेट की मंज़ूरी: 4 फरवरी, 2024
विधानसभा में प्रस्तुत: 6 फरवरी, 2024
विधानसभा में पारित: 7 फरवरी, 2024
9 सदस्यीय पैनल नियमों का मसौदा तैयार: 10 फरवरी, 2024
राष्ट्रपति की स्वीकृति: 11 मार्च, 2024

आगे की योजनाएं
- 2 उप-समितियां 31 अगस्त से पहले रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगी
- 1 उप-समिति 30 सितंबर से पहले रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी
- 9 नवंबर (राज्य स्थापना दिवस) के आसपास लागू किया जाएगा

समान नागरिक संहिता: समानता को दे रहे बढ़ावा

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड सरकार ने समानता को बढ़ावा देने की दिशा में ठोस कदम उठाए हैं। राज्य के नागरिकों के समान अधिकार को सुनिश्चित करने के लिए समान नागरिक संहिता को लागू करने की दिशा में प्रयास जारी हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अगुवाई वाली सरकार ने उत्तराखंड के नागरिकों को समानता का अधिकार देने की दिशा में बड़ा कदम बढ़ाया है। इस प्रयास में सभी धर्मों के लोगों को विवाह, तलाक, भूमि, संपत्ति और उत्तराधिकार के मामलों में समानता प्रदान करने का मार्ग प्रशस्त हो सकेगा। इस सकारात्मक पहल से समाज में एकरूपता लाने के लिए हिमालयी राज्य में 'समान नागरिक संहिता' लागू करने का प्रयास शुरू हो गया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 9 नवंबर को राज्य स्थापना दिवस से पहले यूसीसी लागू करने की घोषणा की है। उत्तराखंड स्वतंत्रता के बाद यूसीसी लागू करने वाला देश का पहला राज्य बनने की राह पर है। सामाजिक सद्भाव बढ़ाने, लैंगिक न्याय को बढ़ावा देने और महिलाओं को सशक्त बनाने का इरादा रखने वाला यह कानून, संविधान के अनुच्छेद 44 के प्रावधानों के अनुरूप है।

समग्र विकास के लिए एक कानून

समान नागरिक संहिता को लागू करने की उत्तराखंड की पहल से राज्य के सभी नागरिकों को समान अधिकार मिलेगा। यह संवैधानिक जनादेश को साकार करने की दिशा में लिया गया एक अहम फैसला है। राज्य सरकार का मानना है कि विविध व्यक्तिगत कानून निश्चित तौर पर असमानताओं की स्थिति पैदा करते हैं और सामाजिक न्याय में बाधा डाल सकते हैं। ऐसे में समान नागरिक संहिता को अपनाकर उत्तराखंड राज्य में कानूनी प्रणाली को और भी सुव्यवस्थित करना चाहता है। धामी सरकार की कोशिश है कि यहां के सभी नागरिक समान कानूनों के अधीन हों और एक समावेशी और समतापूर्ण समाज को बढ़ावा मिल सके।

ऐतिहासिक विधेयक की समयरेखा

यह विधेयक 6 फरवरी को राज्य विधानसभा में पेश किया गया, जबकि 7 फरवरी को उत्तराखंड विधानसभा के विशेष सत्र के दौरान पारित किया गया। नौ सदस्यीय पैनल ने 10 फरवरी को नियमों से संबंधित मसौदा तैयार किया। उत्तराखंड के राज्यपाल गुरमीत सिंह ने राज्य सरकार द्वारा भेजे गए विधेयक को राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू के पास मंजूरी के लिए भेजा, जिसे उन्होंने 11 मार्च को मंजूरी दे दी। ऐसे में उत्तराखंड यूसीसी को लागू करने वाला देश का पहला राज्य बन गया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इसे ऐतिहासिक दिन घोषित किया और कहा कि राज्य राज्य स्थापना दिवस (9 नवंबर) से पहले यूसीसी को लागू करेंगे।

PICS: DIPR, UTTARAKHAND GOVERNMENT

>> प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी

> प्रस्तावित कानून में 392 धाराएं हैं, जिन्हें चार भागों और सात अध्यायों में विभाजित किया गया है। ये कानून महिलाओं को विवाह, तलाक, गुजारा भत्ता और संपति के उत्तराधिकार में समान अधिकार प्रदान करते हैं। इसमें कुछ प्रकार के रिश्तों को प्रतिबंधित करने की बात निहित है, बहुविवाह पर प्रतिबंध लगाते हैं, पुरुषों और महिलाओं के लिए विवाह योग्य आयु (क्रमश: 21 वर्ष और 18 वर्ष) निर्धारित करते हैं और विवाह का पंजीकरण अनिवार्य बनाते हैं।

महिलाओं और बच्चों को समान अधिकार सुनिश्चित करना

यूसीसी लैंगिक समानता को बढ़ावा देता है। यह असमानताओं और लैंगिक पूर्वाग्रहों को समाप्त करेगा। साथ ही, यह भी सुनिश्चित करेगा कि महिलाओं को उनके धर्म की परवाह किए बिना संपत्ति और विरासत पर समान अधिकार प्राप्त हो।

यूसीसी गोद लेने के कानूनों को मानकीकृत करके बच्चों के अधिकारों को और मजबूती देगा। वर्तमान में, विभिन्न धर्मों में गोद लेने से जुड़ी प्रथाएं अलग-अलग हैं, जिनमें से कुछ इसे बिल्कुल भी मान्यता नहीं देते हैं। यूसीसी एक समान कानून का राज स्थापित करेगा, जो यह गारंटी देगा कि सभी बच्चों को समान अधिकार मिले।

>> यूसीसी पैनल के साथ बात करते मुख्यमंत्री धामी

इससे कोई अंतर नहीं पड़ेगा कि वे किस पारिवारिक पृष्ठभूमि आते हैं।

सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देना

उत्तराखंड विविधताओं से भरा राज्य है, यहां पर विभिन्न धार्मिक और जातीय समुदाय के लोग रहते हैं। यूसीसी इस सिद्धांत को सुदृढ़ करेगा कि कानून के समक्ष सभी नागरिक समान हैं। इस प्रकार तरह से अधिक सामंजस्यपूर्ण और एकीकृत समाज को बढ़ावा मिलेगा।

कानूनी व्यवस्था को सरल बनाना

समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के कार्यान्वयन से राज्य में कानून-व्यवस्था और सरल हो जाएगी। व्यक्तिगत कानूनों की मौजूदगी कानूनी कार्यवाही को जटिल बनाती है और परिणामस्वरूप परस्पर विरोधी निर्णय हो सकते हैं। यूसीसी से सिविल मामलों के लिए एकल कानूनी ढांचा तैयार होगा, जिससे न्यायिक प्रक्रिया अधिक सुव्यवस्थित हो जाएगी।

आर्थिक लाभ

यह कानून सकारात्मक आर्थिक हितों का समर्थन करता है। संपत्ति के अधिकारों के सरल बनने से आर्थिक गतिविधियों के लिए बेहतर माहौल तैयार होगा। कानूनी स्पष्टता से निवेश और आर्थिक विकास को नई गति मिलेगी, जिससे राज्य के समग्र विकास को योगदान मिलेगा। इसके अलावा, महिलाओं के संपत्ति अधिकारों को सुरक्षित करके यह महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाएगा। इससे उन्हें आर्थिक गतिविधियों में भाग लेने का अवसर मिलेगा।

> मैं उत्तराखंड सरकार को पिछले कुछ वर्षों में हासिल की गई उल्लेखनीय प्रगति के लिए बधाई देता हूं। यह पर्यटन और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर नीतिगत फैसलों व इस दिशा में ध्यान देने से संभव हुआ है। राज्य ने बुनियादी ढांचे के विकास में महत्वपूर्ण प्रगति की है, जिससे उत्तराखंड सतत विकास के लिए नए मानक स्थापित कर रहा है। अपने प्राकृतिक संसाधनों का सदुपयोग करने और पर्यटन को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता ने न केवल राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूती दी है, बल्कि वैश्विक मंच पर इसकी क्षमता को प्रदर्शित भी किया है। मैं समावेशी विकास के लिए राज्य के समर्पण की सराहना करता हूं और आने वाले वर्षों में इसकी निरंतर सफलता की आशा करता हूं।
>
> **-नरेंद्र मोदी,** प्रधानमंत्री

यह है यूसीसी का उद्देश्य

- *समाज के कमजोर, गरीब और संवेदनशील वर्ग को सुरक्षा और सशक्तीकरण प्रदान करना।*
- *हर वर्ग की महिलाओं, बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ना।*
- *एक समान कानून के माध्यम से एकता, अखंडता और राष्ट्रवाद की भावना को बढ़ावा देना।*
- *विवाह की आयु बढ़ाकर बेटियों और बेटों को उच्च शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करना।*
- *वर्षों से चली आ रही कुरीतियों को समाप्त करके एक समृद्ध समाज का निर्माण करना।*
- *सभी समुदायों के लोगों को समान अधिकार देकर बेटा-बेटी और पुरुष-महिला के बीच के भेदभाव को जड़ से खत्म करना।*

उत्तराखंड की न्यायिक प्रणाली के लिए फ़ायदेमंद है समान नागरिक संहिता

नकल विरोधी कानून लागू होने के बाद यह राज्य में बेहद कारगर साबित हुआ है

राज्य में नकल विरोधी कानून से बढ़ गए रोजगार के अवसर

विकास के अवसर अपार

उत्तराखंड आर्थिक सशक्तिकरण, सामाजिक न्याय और विकास के मार्ग पर अग्रसर है

उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) का कार्यान्वयन आर्थिक सशक्तिकरण और विकास के लिए महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है।

यूसीसी का सबसे बड़ा लाभ संपत्ति और विरासत से संबंधित कानूनी प्रक्रियाओं का सरलीकरण है। वर्तमान में, भारत में विभिन्न धार्मिक समुदाय अपने-अपने कानूनों का पालन करते हैं, जिससे एक जटिल कानूनी पैंच पैदा हो जाता है। यह जटिलता अस्पष्टता और विवाद की स्थिति पैदा कर सकती है, जिससे निवेश और आर्थिक गतिविधियों में बाधा उत्पन्न हो सकती है। यूसीसी लागू होने से, उत्तराखंड में सभी नागरिक समान नियमों का पालन करेंगे। यह स्पष्टता निवेशकों का विश्वास बढ़ाएगी और क्षेत्र में घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों स्तर पर निवेश को प्रोत्साहित करेगी।

लैंगिक अंतर को पाटकर महिलाओं को सशक्त बनाना

यूसीसी में महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की क्षमता है। कई व्यक्तिगत कानूनों में महिलाओं को पारंपरिक रूप से विरासत व संपत्ति के अधिकारों के मामले में नुकसान उठाना पड़ता है। अब यूसीसी के लागू होने से सभी को समान अधिकार देकर इन मामलों में ऐतिहासिक सुधार लाया जा सकता है।

महिलाओं को इस तरह से सशक्त बनाना न केवल सामाजिक न्याय का विषय है, बल्कि आर्थिक रूप से भी जरूरी है,क्योंकि इससे घरेलू आय में वृद्धि, आर्थिक उत्पादकता में सुधार और समग्र आर्थिक विकास हो सकता है।

आर्थिक सशक्तीकरण : समानता से समृद्धि तक

उद्यमियों और व्यवसायों को मानकीकृत कानूनों से लाभ मिलेगा, जिससे कानूनी कार्यवाही में लगने वाला समय और लागत दोनों में कमी आएगी। यह उत्तराखंड को नए व्यवसायों और स्टार्टअप के लिए एक आकर्षक गंतव्य बना सकता है, जिससे संपन्न उद्यमी परिवेश को बढ़ावा मिलेगा। आसान कानूनी प्रक्रियाएं और प्रशासनिक बाधाओं के कम होने से राज्य में आर्थिक गतिविधि, रोजगार सृजन और नवाचार को प्रोत्साहन मिलेगा।

इसके अलावा, समान नागरिक संहिता (यूसीसी) सामाजिक सद्भाव और सामंजस्य में योगदान देकर एक स्थिर आर्थिक परिवेश बनाए रखने में अहम साबित हो सकता है। ऐसे में सामंजस्यपूर्ण माहौल से राज्य में आर्थिक गतिविधियों को बल मिलेगा, क्योंकि यह कानून विश्वास, सहयोग और समुदाय की भावना को बढ़ावा देता है। इस पहल से उत्तराखंड अधिक पर्यटकों, निवेशकों व व्यवसायों को आकर्षित करने में सक्षम बनेगा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में यूसीसी के माध्यम से उत्तराखंड अपने नागरिकों के लिए समान आर्थिक विकास, जीवन की बेहतर गुणवत्ता, आर्थिक सशक्तीकरण और विकास को बढ़ावा देने की ओर अग्रसर है।

फायदेमंद है समान नागरिक संहिता

यूसीसी को लागू करने की उत्तराखंड की पहल कानून को सरल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो प्रदेश की न्यायिक प्रणाली को लाभ पहुंचाने में सहायक होगा

देश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लंबे समय से चर्चा का विषय रहा है, जिसका उद्देश्य विभिन्न धार्मिक समुदायों के व्यक्तिगत कानूनों को सभी नागरिकों पर लागू होने वाले समान नियमों से बदलना है। यूसीसी के प्राथमिक लाभों में से एक कानूनी प्रक्रियाओं का सरलीकरण है। वर्तमान में, भारत में विभिन्न धार्मिक समुदायों के बीच व्यक्तिगत कानून काफी भिन्न हैं, जिससे कानूनी प्रणाली में जटिलताएं और असंगतियां पैदा होती हैं। उदाहरण के लिए, विवाह, तलाक, विरासत और गोद लेने जैसी प्रक्रिया को नियंत्रित करने वाले कानून अलग-अलग समुदायों के लिए अलग-अलग हैं।

यूसीसी को लागू करके उत्तराखंड का लक्ष्य समग्र व सुसंगत कानूनी ढांचा स्थापित करना है, जो सभी नागरिकों पर समान रूप से लागू होता हो। यह एकरूपता कानूनी प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करके अस्पष्टता को कम करेगी और न्यायिक प्रक्रिया की कुशलता को बढ़ाएगी।

कानूनी सुधार और सामाजिक प्रगति

देश में 5 करोड़ से ज्यादा मामले न्यायालय में लंबित हैं। ऐसे में, यूसीसी कानूनी विवादों के त्वरित समाधान की सुविधा प्रदान करेगा। कानून के एक मानक तय होने के साथ न्यायालय मामलों को तेजी से सुलझा सकता है, क्योंकि न्यायाधीशों को तब अलग-अलग व्यक्तिगत कानूनों की व्याख्या करने की आवश्यकता नहीं होगी। इससे न्यायालय में लंबित मामलों में कमी आएगी और समय पर न्याय सुनिश्चित होगा।

PIC: DIPR, UTTARAKHAND GOVERNMENT

उदाहरण के लिए उत्तराधिकार और संपत्ति के अधिकारों पर विवाद, जिसमें व्यक्तिगत कानूनों की व्याख्याएं जटिल होती हैं, उन्हें यूसीसी के तहत तेज़ी से निपटाया जा सकता है। इससे न केवल न्यायपालिका को लाभ होगा, बल्कि नागरिकों को भी राहत मिलेगी, जिन्हें लंबी कानूनी लड़ाइयां लड़नी पड़ती है।

समान नागरिक संहिता (यूसीसी) कानून में समानता को बढ़ावा देने का काम करता है। इसके कार्यान्वयन से विसंगतियां समाप्त होंगी और यह सुनिश्चित होगा कि कानून के तहत सभी नागरिकों के साथ एक जैसा व्यवहार किया जाए। इसके अलावा, संपत्ति पर माता-पिता के अधिकार, लिव-इन रिलेशनशिप में पैदा हुए बच्चों की वैधता और समान संपत्ति अधिकारों के बारे में कानून दीर्घकालिक रूप से लाभकारी साबित होंगे। यूसीसी लैंगिक समानता और गैर-भेदभाव की दिशा में ऐसा कदम है, जो भारतीय संविधान के सिद्धांतों को कायम रखता है और सामाजिक न्याय व समावेशिता को बढ़ावा देता है।

कानूनी एकरूपता के माध्यम से होगा तेज़ आर्थिक विकास

समान नागरिक संहिता का उद्देश्य कानूनी परिणामों की पारदर्शिता और पूर्वानुमान में सुधार करना है। इससे नागरिकों को अपने अधिकारों और दायित्वों की स्पष्ट समझ हासिल करने में मदद मिलेगी, जिससे कानून का बेहतर अनुपालन होगा। यूसीसी अपनाकर राज्य एकरूपता और समानता के संवैधानिक दृष्टिकोण से जुड़ रहा है।

बढ़ गए रोजगार के अवसर

बेहद कारगर साबित हुआ है

नकल विरोधी कानून ने नकल, भ्रष्टाचार और पक्षपात जैसी कई चीजों पर अंकुश लगाया है। भ्रष्टाचार को रोकने के लिए कड़े कानून स्थापित करके राज्य ने सभी के लिए एक समान अवसर सुनिश्चित किए हैं। कानून लागू होने से सरकारी परीक्षाएं अधिक पारदर्शी और निष्पक्ष हो गई हैं।

जनता का भरोसा हुआ कायम : अभ्यर्थियों को सरकारी परीक्षा प्रणाली पर अब पहले से अधिक भरोसा है कि उनकी कड़ी मेहनत और योग्यता का निष्पक्ष मूल्यांकन किया जाएगा, जिससे सरकारी परीक्षाओं में अधिक पारदर्शी और प्रतिस्पर्धी भागीदारी हो सकेगी। इस भरोसे ने ज्यादा से ज्यादा लोगों को सरकारी नौकरियों की तलाश करने के लिए प्रेरित किया है, क्योंकि अब चयन प्रक्रिया निष्पक्ष और पारदर्शी हो गई है।

दीर्घकालिक लाभ : पारदर्शी और निष्पक्ष भर्ती प्रणाली सार्वजनिक सेवा के लिए योग्य और सक्षम अभ्यर्थियों को आकर्षित करती है, जिससे सरकारी कर्मचारियों की दक्षता और प्रभावशीलता में वृद्धि होती है। इसके बदले बेहतर व्यवस्था और सार्वजनिक सेवाएं मिलती हैं, जो किसी भी राज्य के समग्र विकास में योगदान देता है।

भविष्य की संभावनाएं : इसकी प्रभावशीलता को बनाए रखने के लिए सख्त प्रवर्तन सुनिश्चित करना, भ्रष्टाचार को रोकने के लिए तकनीकी बुनियादी ढांचा बेहतर करना और धोखाधड़ी के नए तरीकों का मुकाबला करने के लिए कानून में लगातार सुधार करना महत्वपूर्ण है। इसके अलावा,धामी सरकार ईमानदारी को बढ़ावा देने के लिए कानून और इसके लाभ के बारे में अभ्यर्थियों के बीच जागरूकता पैदा करने पर ध्यान दे रही है। कानून के सिद्धांतों को बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयासों और प्रतिबद्धता के साथ उत्तराखंड आने वाले वर्षों में निरंतर प्रगति और विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है। युवाओं को नौकरी देकर उनका हौसला बढ़ा रहा है।

सकारात्मक प्रभाव

रोजगार सृजन को बढ़ावा : जब से मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कार्यभार संभाला है, तब से 15 हजार नौकरियां सृजित हुई हैं। नकल विरोधी कानून लागू होने के बाद उत्तराखंड में परीक्षाएं आयोजित की गई हैं और 10,000 से अधिक सरकारी पद भरे गए हैं, जिससे विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर सृजित हुए हैं। इस कानून के लागू होने से परीक्षा में देरी और नकल के मामले कम हुए हैं, जिससे सरकार भर्ती प्रक्रिया को तेज़ करने में सक्षम हुई है।

PIC: DIPR, UTTARAKHAND GOVERNMENT

>> मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नकल विरोधी कानून पर बैठक की अध्यक्षता करते हुए

प्रदेश प्रगति पथ पर अग्रसर

यूसीसी में कई विशेषताएं हैं, जो मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व वाली सरकार को सामाजिक न्याय और समानता को बढ़ावा देने में मदद करेंगी

यूसीसी की प्रमुख विशेषताएं

पति और पत्नी को समान अधिकार

यूसीसी में पति और पत्नी दोनों के अधिकार और जिम्मेदारियां समान हैं, जो यह सुनिश्चित करती हैं कि दोनों के पास अपने विवाह में समान कानूनी स्थिति और दायित्व रहे।

अनुसूचित जनजातियों पर नहीं लागू होगा यूसीसी

यूसीसी ने अनुसूचित जनजातियों को उनके विशिष्ट सांस्कृतिक और परंपराओं के संरक्षण के महत्व को पहचानते हुए अपने दायरे से बाहर रखा है। यह सम्मानजनक दृष्टिकोण सुनिश्चित करता है कि उनकी विशिष्ट पहचान और विरासत सुरक्षित रहे।

लिव-इन रिलेशनशिप में पैदा हुए बच्चों की वैधता

यूसीसी के तहत लिव-इन रिलेशनशिप के दौरान पैदा हुए बच्चों को वैधता दी जाएगी। यह बच्चे सभी अधिकारों के हकदार होंगे, जो यह सुनिश्चित करते हैं कि वे वंचित या कलंकित न हों। यह प्रावधान सभी बच्चों की भलाई और अधिकारों की रक्षा करते हुए समाज में उनकी स्वीकृति को बढ़ावा देता है।

समान संपत्ति अधिकार

यूसीसी सभी धार्मिक समुदायों के बेटों और बेटियों के लिए समान संपत्ति अधिकार प्रदान करता है। इससे यह सुनिश्चित होता है कि उत्तराधिकार कानून निष्पक्ष और गैर-भेदभावपूर्ण हो, जिससे महिलाओं को पुरुषों के समान आर्थिक अधिकार और अवसर प्राप्त होते हैं।

विवाह की समान आयु

यूसीसी सभी धर्मों में विवाह के लिए न्यूनतम आयु को मानकीकृत करता है। यह लड़कों के लिए 21 वर्ष और लड़कियों के लिए 18 वर्ष आयु सीमा निर्धारित करता है।

लिव-इन संबंधों के लिए अनिवार्य पंजीकरण

लिव-इन संबंधों को कानूनी मान्यता और सुरक्षा प्रदान करने के लिए यूसीसी उनके पंजीकरण को अनिवार्य बनाता है। साथ ही, यह सुनिश्चित भी करता है कि भागीदारों के पास कानूनी अधिकार और जिम्मेदारियां हों।

तलाक पर समान अधिकार

यूसीसी पति और पत्नी दोनों के लिए समान अधिकार सुनिश्चित करता है, न्यायसंगत प्रक्रिया के तहत विवाह के निष्पक्ष विघटन की गारंटी देता है।

अनिवार्य विवाह पंजीकरण

सभी विवाहों को एक निर्धारित समय के भीतर पंजीकृत किया जाना चाहिए। यह अनिवार्य पंजीकरण सटीक रिकॉर्ड बनाए रखने में मदद करता है और विवाहित जोड़ों को कानूनी स्पष्टता और सुरक्षा प्रदान करता है।

सभी धर्मों और संप्रदायों के पुरुषों और महिलाओं के लिए समानता

यूसीसीसभी धर्मों और संप्रदायों के लोगों को समान अधिकार देता है। इस तरह से समावेशिता को बढ़ावा देकर लिंग और धर्म-आधारित भेदभाव को मिटाता है।

नकल विरोधी कानून : भर्ती प्रक्रिया को ईमानदार और पारदर्शी बनाने की दिशा में बढ़ा साहसिक कदम

यह नया कानून राज्य सरकार की निष्पक्ष और न्यायपूर्ण भर्ती प्रणाली स्थापित करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। साथ ही नकल विरोधी कानून कई तरह की समस्याओं का समाधान भी कर सकता है

शिक्षा की गरिमा बनाए रखने और प्रतियोगी परीक्षाओं में भ्रष्टाचार को रोकने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में उत्तराखंड सरकार ने नकल विरोधी कानून लागू किया है। इस नए कानून में नकल कराने में शामिल या इसमें सहायता करने वालों के लिए आजीवन कारावास सहित कठोर दंड का प्रावधान किया गया है।

नकल विरोधी कानून : एक आवश्यक सुधार

रोजगार संबंधी परीक्षाओं में ईमानदारी, निष्पक्ष और योग्यता आधारित भर्ती प्रक्रिया को बनाए रखना महत्वपूर्ण होता है। हालांकि, नकल और नियमों की अनदेखी के बढ़ते मामलों के साथ कड़े उपायों की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक महसूस की गई है।

इस कानून के अंतर्गत नकल में शामिल लोगों के लिए कठोर दंड का प्रावधान है, जो इसमें शामिल लोगों से व्यापक रूप से निपटाने के लिए बनाया गया है। यह नकल में लिप्त अपराधियों को दंडित करने के साथ ही छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों को आश्वस्त करता है कि सरकार सभी के लिए समान अवसर बनाने को लेकर पूर्ण रूप से गंभीर है।

नौकरी की परीक्षाओं में नकल विरोधी कानून लाने का उद्देश्य इस चुनौती का सीधा सामना करना है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि योग्य अभ्यर्थियों को नौकरी प्राप्त हो सके। यह कानून न केवल परीक्षा प्रक्रिया की विश्वसनीयता की रक्षा करता है, बल्कि रोजगार में न्याय और पारदर्शिता के सिद्धांतों को भी मजबूत करता है।

PIC: DIPR, UTTARAKHAND GOVERNMENT

>> नियुक्ति पत्र बांटते मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी

इस पर बात करते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी कहते हैं कि पूर्व में नकल माफिया के गले में फंदा कसने की कोशिश क्यों नहीं की? मुझे पता था कि पेपर लीक में शामिल माफिया के खिलाफ कार्रवाई करने का फैसला करने के बाद हमें डराने की कोशिश की जाएगी। मैं जानना चाहता हूं कि किस सरकार के कार्यकाल में आरोपियों को जेल भेजा गया। इसमें अनुचित साधनों का उपयोग करने के दोषियों को 10 साल के लिए किसी भी परीक्षा में बैठने से अयोग्य घोषित करने और नकल में मदद करने वालों की संपत्ति जब्त करने का भी प्रावधान होगा। उत्तराखंड प्रतियोगी परीक्षा (भर्ती में अनुचित साधनों की रोकथाम और निवारण के उपाय) अध्यादेश 10 फरवरी को राज्यपाल द्वारा दी गई मंजूरी के बाद लागू हो गया।

पारदर्शिता बनाए रखना

इस विधेयक का उद्देश्य हिमालयी राज्य में प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करना है। यह प्रावधान केवल प्रतियोगी परीक्षाओं में ही लागू नहीं होगा, बल्कि स्कूल और कॉलेज की परीक्षाओं में भी इसका उपयोग किया जाएगा।

इस कानून के तहत दिए जाने वाले दंड में शामिल है :

अनुचित परीक्षा प्रक्रियाओं में किसी भी तरह की संलिप्तता सिद्ध होने पर अपराधियों, प्रिंटिंग प्रेस, अपराध में शामिल संगठनों, प्रबंधन प्रणालियों या कोचिंग संस्थानों के लिए आजीवन कारावास और 10 करोड़ रुपये तक का जुर्माना हो सकता है।

Text by: Sarita Shukla

CONSUMER CONNECT INITIATIVE

आज दूर कर लें दिल का हर कंफ्यूजन और जानें सच्चाई

काजू में कई पौष्टिक गुण होते हैं, जो शरीर को पोषण देते हैं। काजू में प०लीअनसैचुरेटेड और मोनोअनसैचुरेटेड दोनों तरह के ही हेल्दी फेट्स होते हैं। सीमित मात्रा में काजू खाने से आपका वजन कम होने में भी मदद मिलती है। काजू को भिगोकर खाना भी सेहतमंद होता है।

वजन बढ़ाता नहीं घटाता है काजू

आम धारणा के उल्टे काजू वजन बढ़ाता नहीं है, बल्कि उसे कम करने में मददगार बनता है। काजू में गुड फैट और कार्बोहाइड्रेट होते हैं। ये मेटाबॉलिज्म बढ़ाने में मददगार हैं। अच्छे मेटाबॉलिज्म के कारण आपके शरीर में फैट जमा नहीं होते हैं। हर दिन तीन से चार काजू खाने से मोटापा कम किया जा सकता है। इसे नियमित सेवन से भूख भी कंट्रोल होती है। जिससे वजन घटता है।

काजू खाने से मिलते हैं ढेरों फायदे

काजू का सही मात्रा में सेवन करने से कब्ज की समस्या दूर हो जाती है। इसमें भरपूर मात्रा में फाइबर होते हैं। इसे खाने से पाचन तंत्र तंदुरुस्त रहता है। पेट से जुड़ी अन्य समस्याएं भी खत्म हो जाती हैं। ऐसे में खाली पेट काजू खाना बेहद लाभदायक साबित हो सकता है। याददाश्त तेज करने में भी काजू फायदेमंद होता है। इसमें मैग्नीशियम होता है, जो मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखता है। इसके अलावा इसे खाने से हड्डियां मजबूत होती हैं। हड्डियों की कमजोरी को दूर करने में भी यह कारगर है।

क्या सच में बढ़ता है कोलेस्ट्रॉल

कई लोग मानते हैं कि काजू खाने से कोलेस्ट्रॉल बढ़ता है। लेकिन असल में ऐसा नहीं है। काजू शरीर में गुड कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाता है। इसमें प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, फाइबर, मैग्नीशियम, जिंक, कॉपर, थायमिन, विटामिन बी 6, विटामिन के, पोटेशियम और आयरन भरपूर मात्रा में होता है। काजू खाने से दिल की सेहत में सुधार होता है और दिल की बीमारियों का खतरा कम होता है।

एक दिन में कितने काजू खाने चाहिए?

एन सी बी आई के मुताबिक हालांकि काजू को सही मात्रा में खाना जरूरी है। एक शख्स प्रतिदिन चार से पांच काजू खा सकता है। एक रिसर्च के अनुसार जिनका वजन कम है या जो स्पोर्ट्स एक्टिविटी करते हैं, वे हर सुबह खाली पेट 50 से 100 ग्राम काजू खा सकते हैं। काजू को दूध में उबालकर खाना भी फायदेमंद होता है।

ये लोग ना करें सेवन

डायबिटीज से पीड़ित लोगों को काजू ज्यादा नहीं खाना चाहिए। क्योंकि ज्यादा काजू खाने से उनका ब्लड शुगर लेवल बढ़ सकता है। ऐसे में काजू खाने से पहले या बाद में ब्लड शुगर लेवल जरूर चेक कर लें।

सुकून भरी नींद के लिए इन तेलों से करें पैर के तलवों की मालिश

आजकल लोग सुकून भरी नींद पाने के लिए जाने कौन–कौन से तरीके अपनाते हैं लेकिन भाग दौड़ भरी जिंदगी और काम के प्रेशर के कारण लोगों को अनिद्रा की शिकायत हो जाती है, जिसकी वजह से पूरी रात नींद नहीं आती और दिन में इसके साइड इफेक्ट्स भी नजर आते हैं। वहीं, कई लोग मोबाइल को देखकर देर रात तक जागते हैं और उन्हें अनिद्रा की शिकायत होने लगती है।

अनिद्रा, थकान और तनाव होंगे दूर

सही तरीके से लाइफस्टाइल चलाने के लिए कम तनाव और सुकून भरी नींद बेहद जरूरी होती है। हेल्थ एक्सपर्ट भी पर्याप्त नींद लेने की सलाह देते हैं। जिन लोगों को शारीरिक थकान, पैरों में दर्द, अनिद्रा और तनाव की परेशानी बनी रहती है। उन्हें रात में सोने से पहले अपने पैरों के तलवों की मालिश करना फायदेमंद साबित हो सकता है। डॉक्टर तेजस्विनी, नेचुरोपैथ के मुताबिक , रात में नींद ना आने पर तेल से पैरों के तलवों की मालिश करने से अच्छी नींद आती हैं । पैरों की मालिश करने से बॉडी में ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है, जिससे हमारी बॉडी रिलैक्स महसूस करती है। लेकिन कई लोग इस बात को लेकर कंफ्यूजन में रहते हैं कि पैरों के मसाज के लिए आखिर कौन सा ऑयल सबसे अच्छा होता है।

सरसो का तेल

सरसों के तेल को आयुर्वेद में भी सेहत के लिए बेहद लाभकारी बताया गया है। पैरों में इस तेल की मालिश करने से मांसपेशियों

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

को आराम मिलता है और ब्लड सर्कुलेशन की स्पीड बेहतर होती है। इसके मालिश से पीरियड्स के दौरान पेट में होने वाले दर्द और ऐंठन की शिकायत दूर होती है। इनसोम्निया की समस्या होने पर गुनगुना सरसों के तेल की मालिश करने से आराम मिलता है। वहीं एंग्जायटी और स्ट्रेस को दूर भगाने में यह मददगार माना जाता है।

बादाम का तेल

बादाम के तेल से अगर पैरों की मसाज की जाए तो तनाव से छुटकारा मिलता है और डिप्रेशन को दूर किया जा सकता है। मानसिक शांति के लिए रोजाना इस तेल से अपने पैरों के तलवे की मालिश करें। इससे कई अन्य फायदे भी मिलेंगे।

नारियल का तेल

नारियल तेल से पैरों की मालिश करने से मेंटल हेल्थ में सुधार होता है और चिंता, अवसाद, तनाव जैसी समस्याओं से निजात मिलती है। इसके साथ ही मांसपेशियों या पैरों में दर्द और ऐंठन होने पर इस तेल को लगाने से आपको काफी आराम महसूस होगा।

तिल का तेल

मेडिकल न्यूज टुडे के मुताबिक तनाव और अनिद्रा को दूर करने के लिए सोने से पहले इस तेल से रोजाना अपने पैरों के तलवों की मालिश करें। इसमें टायरोसिन अमीनो एसिड होता है, जो सेरोटोनिन हार्मोन को बढ़ावा देता है, जो एक हैप्पी हार्मोन होता है। इससे आपका मूड अच्छा होता है , गहरी नींद आती है और आप तनाव मुक्त होते हैं।

लैवेंडर ऑयल

इस तेल में एंटीबैक्टीरियल, एंटीसेप्टिक, एंटी इन्फ्लेमेटरी गुण मौजूद होते हैं। घ्पैरों की मालिश के लिए इसका इस्तेमाल करना दवा की तरह आराम दिलाएगा। चिंता, तनाव, थकान को कम करने में यह मददगार होता है। अनिद्रा को दूर करने के लिए यह सबसे अच्छे नेचुरल ट्रीटमेंट में से एक है। इसके साथ–साथ जिन लोगों के बाल ज्यादा झड़ते हैं। उनके लिए भी यह सिद्ध उपाय साबित हो सकता है। इससे ब्लड सरकुलेशन अच्छा होता है।

न दवा न डॉक्टर, इस एक आयुर्वेदिक नुस्खे से पथरी हो जाएगी चूर–चूर

पत्थरचट्टा को कैथेड्रल बेल्स, लाइफ प्लांट, मैजिक लीफ और एयर प्लांट के नाम से भी जाना जाता है। वहीं आयुर्वेद में इसे पाषाण भेद, पणपुट्टी और भष्मपथरी का नाम दिया गया है। यह पेट के विषाक्त पदार्थों को शरीर से बाहर निकलना में मदद करता है। वहीं कई बीमारियों को कोसों दूर भगाने में सक्षम होता है। जैसा कि इस औषधि के नाम से ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि इस पौधे में पत्थर को चटकाने यानी तोड़ने की क्षमता है। ऐसे में यह पथरी को टुकड़े–टुकड़े करके शरीर से बाहर निकालने में मददगार है। पथरी के कारण पेट में तेज दर्द होता है। हालांकि पत्थरचट्टा इससे छुटकारा पाने का रामबाण इलाज है। इसका सेवन करना भी बेहद आसान है। आप एक गिलास गुनगुना पानी लें और इसके साथ पत्थरचट्टा की 2 से 3 पत्तियों को चबाकर खाएं। सुबह खाली पेट इसे खाने से आपको काफी फायदा मिलेगा। आप चाहें तो पत्थरचट्टा के पत्तों को पीसकर उसका रस निकाल लें। उसमें एक चुटकी काली मिर्च का पाउडर मिलाएं। इसका नियमित सेवन करें। आप इन गुणकारी पत्तियों का काढ़ा भी बना सकते हैं। इसके लिए करीब आध ा लीटर पानी में पत्थरचट्टा के 15 से 20 पत्तों को उबाल लें। जब पानी आधा हो जाए तो इसका सेवन करें। दिन में दो बार इस पानी का सेवन करें। आप इसमें चुटकी भर नमक भी डाल सकते हैं।

कई बीमारियां तोड़ का कद्दू के बीज, खाली पेट खा लिया तो मिलेंगे फायदे

कद्दू के बीज पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं। इनका सेवन करना सेहत के लिए बहुत ही लाभकारी माना जाता है। इनमें मौजूद फाइबर, प्रोटीन, खनिज तत्व, विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट हमें कई बीमारियों से बचाते हैं। मुख्य रूप से कद्दू के बीज में जिंक, आयरन, प्रोटीन, ओमेगा 3 फैटी एसिड, विटामिन ए मौजूद होते हैं। डॉ पीयूष मिश्रा, जनरल फिजिशियन एंड इम्यूनाइजेशन ऑफिसर नॉर्थ ईस्ट डिस्ट्रिक्ट न्यू दिल्ली के मुताबिक इसमें उच्च मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं, जो हमारे कोशिकाओं को मुक्त कणों से होने वाले नुकसान से बचाते हैं। कद्दू के बीज को भूनकर या बिना भुने हुए भी खा सकते हैं। इसको दिन में कभी भी खा सकते हैं। कद्दू के बीज को सलाद में डालकर खाने से यह और भी स्वादिष्ट और लाभदायक बन जाता है। कद्दू के बीज को स्मूदी में डालकर पीने से इसमें आवश्यक पोषक तत्व बढ़ जाते हैं। ओट्स, दलिया और दही में भी इसे डालकर खाया जा सकता है। कद्दू के बीज को करी या सूप में डालकर भी सेवन कर सकते हैं। उच्च मात्रा में जिंक मौजूद होने के कारण यह हमारे इम्यून सिस्टम को काफी मजबूत करता है।

कोलेस्ट्रॉल और थायराइड में रामबाण है लहसुन लेकिन क्या इसके साइड इफेक्ट्स

डॉ. सुरिंदर कुमार, जनरल फिजिशियन, एमबीबीएस, नई दिल्ली के मुताबिक किसी भी बीमारी को कंट्रोल करने या ठीक करने के लिए डाइट को अनदेखा नहीं करना चाहिए। अगर आप अपनी डाइट में लहसुन को शामिल करते हैं तो इसमें पाए जाने वाले एंटी इन्फ्लेमेटरी गुण और एंटीबैक्टीरियल गुण शरीर में होने वाले कई समस्याओं को दूर करते हैं। लेकिन जानते हैं कि इसके अधिक उपयोग से शरीर को क्या नुकसान होते हैं। किसी प्रकार के इंफेक्शन को दूर करने के लिए लहसुन का इस्तेमाल काफी सालों से किया जा रहा है। यदि थायराइड ग्रंथि में कोई विकार आता है तो हाशिमोटो ओर ग्रेव्स डिजीज होने के चांसेस होते हैं, जिस कारण लहसुन का सेवन करना फायदेमंद हो सकता है क्योंकि इसमें एंटी इन्फ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं, जो ऑटोइम्यून रोगों को ठीक करने के लिए आवश्यक होता है। लहसुन में मौजूद सल्फर डिटॉक्सिफिकेशन में मदद करता है हाशिमोटो की बीमारी पर्यावरण में मौजूद टॉक्सिंस को हवा के माध्यम से शरीर में प्रवेश करने की वजह से होता है, जिसमें लहसुन का उपयोग शरीर को डिटॉक्सिफाई कर थायराइड की समस्या में मदद करता है। कोलेस्ट्रॉल हमारे शरीर में हृदय रोगों का कारण बनता है। कोलेस्ट्रॉल को कम करने के लिए लहसुन का सेवन फायदेमंद माना जाता है। लहसुन में कई पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो हमारे शरीर के कई समस्याओं को दूर करने में मदद करते हैं।

अभी तक भारत के लिए नहीं हुआ डेब्यू

29 साल के अभिमन्यु ईश्वरन को अभी तक टीम इंडिया के लिए डेब्यू नहीं किया है। उन्हें पिछले कुछ सालों में कई बार भारतीय टेस्ट टीम में जगह मिल चुकी है। हालांकि बिना डेब्यू किए ही ड्रॉप कर दिए जाते हैं। उनके बाद आए यशस्वी जायसवाल ने डेब्यू करके अपनी जगह पक्की कर ली लेकिन ईश्वरन इंतजार ही कर रहे हैं। 98वां फर्स्ट क्लास मैच खेल रहे ईश्वरन का यह 26वां शतक है। वह इंडिया की ए टीम की कप्तानी भी करते हैं।

डेब्यू किए बिना ही हुआ ड्रॉप, अब ईरानी कप में भी ठोकी सेंचुरी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लखनऊ। रणजी ट्रॉफी की विजेता मुंबई और रेस्ट ऑफ इंडिया के बीच ईरानी कप का मुकाबला हो रहा है। लखनऊ के भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेई इकाना क्रिकेट स्टेडियम पर यह मुकाबला खेला जा रहा है। इस मैच में रेस्ट ऑफ इंडिया के सलामी बल्लेबाज अभिमन्यु ईश्वरन ने शतक ठोक दिया है। मैच की पहली पारी में अजिंक्य रहाणे की कप्तानी वाली मुंबई ने सरफराज खान के शतक की मदद से 537 रन बना दिए थे। बंगाल के लिए घरेलू क्रिकेट खेलने वाले अभिमन्यू ईश्वरन ने लगातार तीसरे फर्स्ट क्लास मैच में शतक लगा दिया है। 117 गेंदों पर 8 चौके और एक छक्के की मदद से उन्होंने अपना शतक पूरा किया। इससे पहले दलीप ट्रॉफी में इंडिया बी की कप्तानी करते हुए ईश्वरन ने लगातार दो शतक लगाए थे। रणजी ट्रॉफी के आखिरी मैच में उनके बल्ले से दोहरा शतक निकला था। इस तरह लगातार 5 मैचों में यह उनका चौथा शतक है। इस मैच में मुंबई की पहली पारी तीसरे दिन के पहले सेशन में 537 रनों पर सिमट गई। टीम के लिए युवा बल्लेबाज सरफराज खान ने 222 रनों की नाबाद पारी खेली। 286 गेंदों पर सरफराज ने 25 चौकों के साथ ही 4 छक्के भी मारे।

न्यूजीलैंड को पहले मैच में रौंदने को तैयार है भारतीय महिला टीम

क्रिकेट

आईसीसी महिला टी20 विश्व 2024 में कुल 10 टीमें ले रही हिस्सा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। महिला टी20 विश्व कप 2024 का आगाज गुरूवार से हुआ, जिसमें कुल 10 टीमें हिस्सा लेने उतरेगी। ऑस्ट्रेलियाई टीम अपना टाइटल बचाने के इरादे से टूर्नामेंट में हिस्सा लेगी, जबकि भारतीय टीम अपना पहला खिताब जीतना चाहेंगी।

सभी टीमों को गुप स्टेज के लिए दो ग्रुप में बांटा गया है। भारतीय टीम की कप्तानी हरमनप्रीत कौर के पास है और भारत ग्रुप में शामिल है, जिसमें पाकिस्तान, श्रीलंका, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया की टीम भी है।

ग्रुप–बी में बांग्लादेश, साउथ अफ्रीका, वेस्टइंडीज, स्कॉटलैंड और श्रीलंका की टीमें मौजूद है। ओपनिंग मुकाबला आज बांग्लादेश और स्कॉटलैंड के बीच शारजाहा स्टेडियम में होना है। भारतीय महिला टीम अपने अभियान का आगाज 4 अक्टूबर

से न्यूजीलैंडके खिलाफ मैच खेलकर करेगी। ऐसे में जानते हैं आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2024 में किन भारतीय प्लेयर्स पर सभी की निगाहें रहने वाली हैं।

भारतीय महिला टीम की स्टार ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा पर आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2024 में हर किसी की निगाहें रहने वाली हैं। 27 साल की दीप्ति दुनियाभर में टी20 गेंदबाजों में दूसरे और सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर मे तीसरे स्थान पर हैं। दीप्ति के नाम 117 मैचों में कुल 131 विकेट हैं। उनका औसत 18. 70 है और उनके पास एक फोर–फेर है। वह टी20 इंटरनेशनल में तीसरी सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली और भारतीयों में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज हैं। बल्ले से उनके नाम 23.72 की औसत से दो अर्धशतक की मदद से 1,020 रन हैं। भारतीय महिला टीम की उप–कप्तान स्मृति मंधाना ने अब तक टी20 विश्व कप के 21 मैचों में 449 रन बना लिए हैं। इस बार महिला टी20 विश्व कप में स्मृति 500 रन की दहलीज लांघते दिखाई देंगी। आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2024 में फैंस की नजरें स्मृति पर रहने वाली हैं।

पिछले लगभग एक दशक से जब भी भारतीय टीम मुश्किल में होती है तो उस वक्त हरमनप्रीत कौर टीम के लिए संकटमोचक बनती हुई नजर आती हैंष बतौर ऑलराउंडर हरमनप्रीत बैट और बॉल दोनों से मैच जिताने की काबिलियत रखती हैं। कप्तान हरमनप्रीत कौर पर इस बार भी हर किसी की नजरें रहने वाली हैं। आईसीसी महिला टी20 विश्व कप में हरमनप्रीत से शानदार प्रदर्शन की सभी को उम्मीदें हैं।

ग्वालियर पहुंची भारतीय टी20 टीम, 14 साल बाद खेला जाएगा अंतरराष्ट्रीय मैच

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

ग्वालियर। भारत–बांग्लादेश टी–20 मैच खेलने के लिए दोनों टीमों के क्रिकेट सितारे ग्वालियर पहुंचे। क्रिकेट सितारों की एक झलक पाने के लिए एयरपोर्ट के बाहर बड़ी संख्या में सुबह से लेकर शाम तक प्रशंसकों का तांता लगा रहा। बेंगलुरु से सुबह सबसे पहले पांच भारतीय खिलाड़ी और शाम को दिल्ली फ्लाइट से बांग्लादेश के 12 खिलाड़ी आए। दोनों टीमों के खिलाड़ियों को पुलिस कारकेड के साथ कड़ी सुरक्षा के बीच ग्वालियर एयरपोर्ट से होटल ऊषा किरण पैलेस और होटल रेडिसन लाया गया। दोनों टीमें गुरुवार को अभ्यास के लिए श्रीमंत माधवराव सिंधिया क्रिकेट स्टेडियम पहुंची। बता दें, ग्वालियर में 14 साल बाद

6 अक्टूबर को होगा भारत बांग्लादेश का पहला टी20 मैच

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच खेला जा रहा है। दोनों टीमें तीन टी–20 सीरीज के पहले मैच में छह अक्टूबर को आमने–सामने होंगी। भारतीय क्रिकेट टीम के पांच खिलाड़ी सुबह बेंगलुरु फ्लाइट्स से ग्वालियर एयरपोर्ट पहुंचे।

विकेटकीपर जितेश शर्मा, रवि विश्नोई, मयंक यादव, अभिषेक शर्मा और रियान पराग ट्रेवलर से कड़ी सुरक्षा के बीच एयरपोर्ट से होटल ऊषा किरण पैलेस पहुंचे। यहां होटल की महिला स्टाफ ने भारतीय परंपरा कुमकुम का टीका लगाया और तुलसी की माला पहनाई। शंख भी बजाया गया। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा दिल्ली से और कानपुर से बांग्लादेशी खिलाड़ी आफिशियल्स चार्टर प्लेन से ग्वालियर पहुंचे। मेहमान खिलाड़ियों को अतिरिक्त सुरक्षा देते हुए एयरपोर्ट के सामान्य दरवाजे के बजाय अन्य दरवाजे से बंद बस में होटल रेडिसन लाया गया।

भारतीय परंपरा के अनुसार स्वागत–सत्कार किया गया। इसके बाद मुंबई से भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव व हार्दिक पांड्या एक साथ आए। एयरपोर्ट गेट से पहले पांड्या बाहर आए। शाम को दिल्ली फ्लाइट्स से बांग्लादेश के 12 खिलाड़ी पहुंचे। भारतीय टीम के कप्तान गौतम गंभीर और वरुण चक्रवर्ती, वाशिंगटन सुंदर, संजू सैमसन एक–साथ गुरुवार को दिल्ली फ्लाइट्स से दोपहर 12 बजे आएं। शिवम दुबे भी टीम से जुड़ें।

गूगल भी मना रहा महिला टी20 वर्ल्ड कप का जश्न

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) दुबई। यूएई की मेजानी में महिला टी20 वर्ल्ड कप का 9वां संस्करण शुरू हो रहा है। इसमें दुनिया भर की दस टीमें हिस्सा ले रही हैं। 3 अक्टूबर को शुरू होने वाले इस टूर्नामेंट का खिताबी मुकाबला 20 अक्टूबर को खेला जाएगा। दुबई के साथ ही शारजाह के मैदान पर टूर्नामेंट के मुकाबले खेले जाएंगे। बांग्लादेश और स्कॉटलैंड के बीच टूर्नामेंट का पहला मुकाबला खेला जाएगा। भारतीय टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ 4 अक्टूबर को अपना अभियान शुरू करेगी।। महिला टी20 वर्ल्ड कप 2024 के शुरू होने के मौके पर गूगल ने अपने सर्च इंजन के लोगो को बदलकर इस आयोजन को समर्पित किया है। डूडल में एक रंग–बिरंगा क्रिकेट मैच दिखाया गया है, जिसमें महिला क्रिकेटर मैदान पर हैं। एक क्रिकेटर बल्लेबाजी कर रही है, दूसरी कैच लेने के लिए छलांग लगा रही है और तीसरी जश्न मना रही है। डूडल में क्रिकेट की गेंद भी दिखाई गई है, जिस पर गूगल का ओ बना हुआ है।

न्यूज डायरी

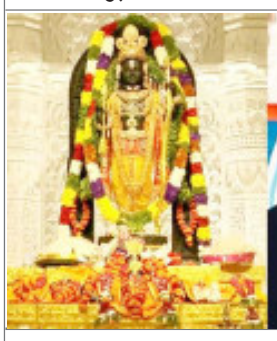

टेस्ट सीरीज के बाद अयोध्या पहुंचे तेज गेंदबाज आकाशदीप

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारत और बांग्लादेश के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज में टीम इंडिया ने 2–0 से जीत हासिल की। कानपुर में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में भारतीय टीम ने 7 विकेट से जीत हासिल की। सभी प्लेयर्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टीम की जीत में अहम योगदान दिया। इस जीत के बाद भारतीय टीम के तेज गेंदबाज आकाशदीप अयोध्या पहुंचे, जहां उन्होंने रामलला के दर्शन किए। दरअसल, बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज में भारतीय टीम की जीत में आकाशदीप का अहम हाथ रहा। 27 साल के तेज गेंदबाज ने दो मैचों में कुल 5 विकेट चटकाए और अपने प्रदर्शन से हर किसी का दिल जीत लिया। सिर्फ तीन टेस्ट मैच खेलने वाले आकाशदीप ने पहले ही इंटरनेशनल क्रिकेट में अपनी जगह बना ली।

बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलने के बाद आकाशदीप अयोध्या रामलला के दर्शन करने पहुंचे। न्यूज एजेंसी एएनआई से बातचीत करते हुए कहा कि मेरा काफी दिनों से सपना था कि भगवान राम का दर्शन करूं। जिस दिन से ये मंदिर बनकर तैयार हुआ था उस दिन मैं नहीं आ पाया था। अब यहां आया हूं तो बहुत अच्छा लग रहा है। रामलला की स्थापना के दौरान जब मैंने वीडियो में भगवान राम की प्रतिमा देखी तो प्रतिमा देखे के बाद मेरे दिमाग में उनकी तस्वीर बैठ गई थी। यहां आकर काफी अच्छा लगा और सुकून मिला।

अब्दुल कादिर के बेटे ने सिर्फ 31 वर्ष की उम्र में लिया संन्यास

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। पाकिस्तान क्रिकेट इतिहास के सबसे शानदार लेग स्पिनर कहे जाने वाले अब्दुल कादिर के बेटे उस्मान कादिर ने हैरान करने वाला फैसला किया है। उन्होंने इंटरनेशनल क्रिकेट से तत्काल प्रभाव से संन्यास ले लिया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए अपन फैसला अपने चाहने वालों तक पहुंचाया। इससे कुछ ही दिन पहले बाबर आजम ने वनडे और टी20 टीम की कप्तानी छोड़ने का फैसला किया था। उस्मान ने लिखा– आज मैं पाकिस्तान क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर रहा हूं। इस अविश्वसनीय यात्रा पर विचार करते हुए मैं अपने दिल से आभार व्यक्त करना चाहता हूं। अपने देश का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए बहुत बड़ा सम्मान रहा है और मैं अपने कोचों और साथियों के समर्थन के लिए आभारी हूं जो हर कदम पर मेरे साथ रहे हैं। 31 वर्षीय खिलाड़ी ने पाकिस्तान के लिए आखिरी मैच पिछले साल हांग्जो में एशियाई खेलों में खेला था। उस्मान ने लिखा– अविस्मरणीय जीत से लेकर चुनौतियों तक हर पल ने मेरे करियर को आकार दिया और मेरे जीवन को समृद्ध बनाया। मैं उन उत्साही प्रशंसकों का बहुत आभारी हूं जो हमेशा मेरे साथ खड़े रहे हैंय आपका अटूट समर्थन दुनिया के लिए मायने रखता है। उन्होंने कहा– इस नए अध्याय में कदम रखते हुए मैं अपने पिता की विरासत को जारी रखूंगा, क्रिकेट के प्रति अपने प्यार और उनके द्वारा मुझे दिए गए सबक को अपनाऊंगा। मैं अपने साथ पाकिस्तान क्रिकेट की भावना और साथ में बनाई गई यादों को लेकर चलता हूं। हर चीज के लिए शुक्रिया।

ईडी के लपेटे में भारत के पूर्व कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन, किया तलब

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने कांग्रेस नेता और भारतीय टीम के पूर्व कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन को तलब किया है। अजहरुद्दीन सितंबर 2019 में एचसीए अध्यक्ष चुने गए थे। जून 2021 में उन्हें अपना पद छोड़ना पड़ा था। उन्हें एपेक्स काउंसिल ने फंड की हेराफेरी के आरोप में एक्शन लिया था। यह मामला हैदराबाद के उप्पल में राजीव गांधी क्रिकेट स्टेडियम के लिए डीजल जनरेटर, अग्निशमन प्रणाली और छतरियों की खरीद के लिए आवंटित 20 करोड़ रुपये की कथित हेराफेरी से जुड़ा है। कांग्रेस नेता को जारी किया गया यह पहला समन है, जिसके तहत उन्हें आज जांच एजेंसी के सामने पेश होना है। नवंबर 2023 में मेडचल मलकाजगिरी जिले के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश बी आर मधुसूदन राव ने एचसीए के पूर्व अध्यक्ष मोहम्मद अजहरुद्दीन को हैदराबाद में उप्पल पुलिस द्वारा दर्ज तीन अलग–अलग आपराधिक मामलों में अग्रिम जमानत दी थी। पुलिस ने अजहर और अन्य पर उप्पल में एचसीए स्टेडियम के लिए क्रिकेट बॉल, जिम उपकरण और अग्निशमन यंत्र खरीदते समय अनियमितता बरतने का आरोप लगाया है।

पेज थ्री देहरादून

हमारा दून

देहरादून, शुक्रवार, 4 अक्टूबर 2024

शहीद नारायण सिंह का पूरे सैन्य सम्मान के साथ किया गया अंतिम संस्कार।

गर्भवती महिलाओं का पीएमएमवीवाई में पंजीकरण करवाने के निर्देश

निर्देश

■ मुख्य सचिव ने सभी गर्भवती महिलाओं की पीएमएमवीवाई की शत् प्रतिशत कवरेज सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

संवाददाता

देहरादून। मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूडी ने महिला एवं बाल विकास विभाग को प्रदेशभर में 4 अक्टूबर से अगले 15 दिन तक अभियान चलाकर असंगठित क्षेत्रों में कार्यरत गर्भवती महिलाओं, निर्माण स्थलों में काम करने वाली गर्भवती महिला श्रमिकों व घरेलू नौकरों के रूप में कार्यरत तथा शहरी मलिन बस्तियों में निवासरत गर्भवती महिलाओं का प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (पीएमएमवीवाई) में पंजीकरण करवाने के निर्देश दिए हैं। सीएस रतूडी ने निर्धारित समयसीमा के भीतर असंगठित क्षेत्र में कार्यरत विशेष रूप से कम आय वर्ग की सभी गर्भवती महिलाओं की पीएमएमवीवाई की शत् प्रतिशत कवरेज सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही मुख्य सचिव ने श्रम विभाग को कर्मचारी राज्य बीमा (ईएसआई) की समीक्षा करने के निर्देश दिए हैं। सीएस ने सचिव शहरी विकास को शहरी निकायों में कार्यरत कार्मिकों विशेषकर कम आय वर्ग वाले कर्मचारियों एवं सफाई कर्मचारियों को ईएसआई कवरेज सुनिश्चित करने के सम्बन्ध ा में तत्काल समीक्षा बैठक कर इस सम्बन्ध में रिपोर्ट देने के निर्देश दिए हैं।

मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने महिला एवं बाल विकास विभाग को एएनएम द्वारा सभी गर्भवती महिलाओं के तीन एएनसी अनिवार्यतः करने तथा गर्भवती महिलाओं की प्रसव के दौरान होने वाली मृत्यु का अनिवार्य रूप से डेथ ऑडिट करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने शहरी क्षेत्रों में विशेषरूप से मलिन बस्तियों एवं निर्माण स्थलों के निकट आंगनबाडियों की मैपिंग के निर्देश दिए हैं, ताकि पांच वर्ष की आयु से छोटे बच्चों में कुपोषण व कम वजन की समस्या का समाधान एवं गर्भवती महिलाओं को आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाएं व विभिन्न योजनाओं का लाभ मिल सके। मुख्य सचिव ने महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा गर्भवती महिलाओं को वितरित किए जाने वाले टेक होम राशन के तहत मिलेट्स को प्रोत्साहित करने की कार्ययोजना पर कार्य करने के निर्देश दिए हैं।

मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने सचिवालय में एसडीजी इण्डेक्स 2023–24 के तहत महिला एवं बाल विकास एवं श्रम विभाग से सम्बन्धित अपेक्षाकृत कम प्रदर्शन वाले इंडिकेटर्स की समीक्षा बैठक के दौरान उक्त इंडिकेटर्स में सुधार के लिए महिला एवं बाल विकास व श्रम विभाग से सम्बन्धित योजनाओं के युक्तिकरण के निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव ने राज्य में मातृ मृत्यु दर, गर्भवती महिलाओं व किशोरियों में एनिमिया तथा बच्चों में कुपोषण की समस्या को कम करने हेतु सभी विभागों को समन्वित रणनीति से कार्य करने की हिदायत दी है।

तीन साल से मांगें पूरी न होने पर मंत्री से शिकायत

संवाददाता देहरादून। चतुर्थ श्रेणी राज्य कर्मचारी संघ स्वास्थ्य विभाग के एक प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत से मुलाकात की। उन्होंने अपनी लंबित मांगों को बताया। जिस पर मंत्री ने सचिव को तत्काल समस्याओं पर कार्रवाई के लिए निर्देशित किया।

प्रदेश अध्यक्ष दिनेश लखेड़ा, महामंत्री सुनील अधिकारी मंडल अध्यक्ष राजेंद्र रावत, उपाध्यक्ष नेलसन अरोड़ा, जिलाध्यक्ष गुरु प्रसाद गोदियाल आदि ने बताया कि कर्मचारियों की मुख्यत दो मांग है जो लगभग तीन साल से लंबित है। महानिदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य से तीन तीन बार समझौता वार्ता होने के बाद भी कर्मचारियों की मांगों का निस्तारण नही हुआ है। पहली मांग वन टाइम सेटेलमेंट के तहत योग्यतानुसार पशुपालन विभाग के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की भांति आईपीएचएस मानकों के तहत लेब सहायक, डार्करूम सहायक, ओ टी सहायक के पदों पर पदोन्नति दी जाए। नर्सिंग अधिकारियों की तरह रोगियों के संपर्क में रहने पर पोष्टिक आहार भत्ता दिया जाएं। इस दौरान राजेन्द्र रावत, राजेन्द्र, राकेश आदि मौजूद रहे।

शीतकाल के लिए बंद होंगे चतुर्थ केदार रुद्रनाथ मंदिर के कपाट

तिथि घोषित

■ रुद्रनाथ मंदिर के कपाट 17 अक्तूबर को सुबह छह बजे कर दिए जाएंगे बंद

संवाददाता

देहरादून। चतुर्थ केदार रुद्रनाथ मंदिर के कपाट बंद होने की तिथि घोषित कर दी गई है। आगामी 17 अक्तूबर को कार्तिक संक्रांति के दिन रुद्रनाथ मंदिर के कपाट शीतकाल के लिए बंद कर दिए जाएंगे। उसी दिन रुद्रनाथ की विग्रह डोली पितृधार, पनार, ल्वींठी बुग्याल और ग्वाड़ गांव में जाख देवता के मंदिर से होते हुए सूर्यास्त होने से पहले शीतकालीन गद्दीस्थल गोपीनाथ मंदिर पहुंचेगी। भगवान रुद्रनाथ को लगने वाला राजभोग ल्वींठी बुग्याल में लगाया जाएगा।

रुद्रनाथ मंदिर के मुख्य पुजारी वेदप्रकाश महादेव भट्ट और पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य ग्वाड़ देवेंद्र सिंह बिष्ट ने बताया कि रुद्रनाथ मंदिर के कपाट 17 अक्तूबर को सुबह छह बजे बंद कर दिए जाएंगे। मंदिर में स्थित भोलेनाथ की शिलामूर्ति को बुखला (हिमालयी पुष्प गुच्छ) के फूलों से समाधि दी जाएगी। उसी दिन रुद्रनाथ की डोली विभिन्न पड़ावों से होते हुए 18 किलोमीटर की पैदल दूरी तय कर शीतकालीन गद्दी स्थल गोपेश्वर स्थित गोपीनाथ मंदिर पहुंचेगी।

राजा सगर की अधिष्ठात्री देवी मां चंडिका की दिवारा यात्रा 12 अक्तूबर से शुरू होगी। मां चंडिका विभिन्न गांवों का भ्रमण करने के साथ ही 16 अक्तूबर को रुद्रनाथ मंदिर पहुंचेंगी। यहां पूजा–अर्चना के बाद 17 को मां चंडिका की दिवारा यात्रा रुद्रनाथ की उत्सव डोली के साथ ग्वाड़ गांव में स्थित जाख देवता के मंदिर पहुंचेगी। मंदिर समिति के सचिव सत्येंद्र रावत ने बताया कि मां चंडिका की दिवारा यात्रा 19 अक्तूबर को केदारनाथ के लिए प्रस्थान करेगी।

निकाय चुनाव में जुटे भाजपा कार्यकर्ता: प्रेमचंद अग्रवाल

संवाददाता ऋषिकेश। शहरी विकास मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने कार्यकर्ताओं से निकाय चुनाव को जुटने का आह्वान किया। कहा कि भाजपा को बूथ स्तर तक मजबूत करना जरूरी है। इस दौरान बूथ स्तर पर सर्वाधिक सदस्य बनाने वाले कार्यकर्ताओं का सम्मान भी किया गया। गुरुवार को मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने प्रदेश में दूसरे नंबर पर बूथ स्तर पर सर्वाधिक भाजपा सदस्य बनाने पर कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया। उन्होंने अधिक से अधिक सदस्य बनाने पर जोर दिया गया। मंत्री ने बूथ संख्या 85 की अध्यक्ष ममता ममगाई, पुनीता भंडारी, रंजीत सिंह, अनिल रावत, बालम सिंह, पूनम डोभाल, सुमन रावत, शशि सेमल्टी को सम्मानित किया। अग्रवाल ने कहा कि विश्व की सबसे बड़ी और लोकतांत्रिक राजनैतिक दल के इस अभियान से 10 करोड़ नए सदस्यों की लक्ष्य प्राप्ति में हमे अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देना है।

संक्षिप्त समाचार

महाराज अग्रसेन की जयंती पर की पूजा–अर्चना

संवाददाता देहरादून। अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन उत्तराखंड ने गुरुवार को महाराज अग्रसेन जयंती पर अग्रवाल धर्मशाला में पूजा–अर्चना कर उन्हें याद किया। इस दौरान भंडारे का आयोजन भी किया गया। प्रदेश अध्यक्ष राम गोपाल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दीपक सिंघल और महानगर अध्यक्ष विशाल गुप्ता के नेतृत्व में अग्रसेन महाराज की प्रतिमा पर पूजा अर्चना की गई। वक्ताओं ने महाराज अग्रसेन के जीवन के बारे में बताया और उनके जीवन से सीख लेने की जरूरत बताई। इस मौके पर मुख्य अतिथि जिलाधिकारी सविन बंसल, राज्यसभा सांसद नरेश बंसल, राजपुर रोड विधायक खजान दास, दिनेश गोयल, धन प्रकाश गोयल, निकुंज गुप्ता, मनोज सिंघल, अमित गुप्ता, ममता गर्ग, राहुल गुप्ता आदि मौजूद रहे।

पूरी दुनिया को आज शांति और सद्भावना की आवश्यकता है: सुंदरम

संवाददाता देहरादून। इंटरनेशनल गुडविल सोसायटी के चौथे रीजनल कन्वेंशन का आयोजन 'सशक्त उत्तराखंड: सतत लक्ष्यों के साथ समग्र विकास का खाका' थीम के साथ मॉर्डन दून लाइब्रेरी में हुआ। इसमें वक्ताओं ने सतत विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अपनी बेस्ट प्रैक्टिस के विषय में बताया। कार्यक्रम में 15 लोगों को उत्तराखंड रत्नश्री सम्मान से सम्मानित किया गया। चैप्टर के अध्यक्ष एवं उत्तराखंड शासन में उर्जा, नियोजन एवं आवास सचिव डॉ. आर. मीनाक्षी सुंदरम् ने बताया कि 1980 के दशक में इंटरनेशनल कोर्ट ऑफ जस्टिस के प्रथम भारतीय अध्यक्ष जस्टिस नागेंद्र सिंह, आईसीएस ने परमाणु अप्रसार, परमाणु हथियारों के खिलाफ, वैश्विक शांति तथा सद्भावना को बढ़ाने के लिए इंटरनेशनल गुडविल सोसायटी आफ इंडिया की स्थापना की थी।

जौनसारी गीतों पर नाचे डीबीएस के छात्र

संवाददाता देहरादून। डीबीएस पीजी कालेज में गुरुवार को आर्यन छात्र संगठन की ओर से छात्रसंघ समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें जौनसारी गायक नरेंद्र बादशाह के गीतों पर छात्र छात्राओं ने खूब ठुमके लगाए। छात्रसंघ चुनावों की घोषणा से पहले छात्र छात्राओं के बीच सीधी पैठ बनाने के मकसद से तमाम छात्र संगठन कालेजों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं। इसी कड़ी में आर्यन छात्र संगठन की ओर से डीबीएस में छात्रसंघ समारोह का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के तौर पर भाजपा नेता पृथ्वीराज चौहान शामिल हुए। छात्राओं ने भी अपनी प्रस्तुतियों से समारोह का खुशनुमा बनाया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
प्रदीप चौधरी
द्वारा
एल.के प्रिंटर्स,74/9,आराघर,देहरादून से मुद्रित
व जाखन जोहड़ी रोड,
पी.ओ–राजपुर, देहरादून से प्रकाशित।
संपादक: प्रदीप चौधरी

सिटी कार्यालय:
शिवम् मार्केट, द्वितीय तल
दर्शनलाल चौक, देहरादून।

(M) 9319700701
pagethreedaily@gmail.com
आर.एन.आई.नं0
UTTHIN\2005\15735
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र देहरादून ही मान्य होगा।